RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

भाग्य में नहीं अपनी क्षमता में विश्वास रखो।
डॉ. भीमराव अंबेडकर

वर्ष-04, अंक - 51 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 22 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

एसपी तिवारी व कलेक्टर मिश्रा की रवानगी के साथ बेलगाम अफसरशाही व भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद भाजपा सरकार की विफलता आई सामने

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की रवानगी के साथ माही की गूंज में गूंजी गूंज की चर्चा जोरों पर

नवागत कलेक्टर रजनीसिंह का प्रथम लक्ष्य शांतिपूर्ण चुनाव करवाना

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

सिर्फ माही की गूंज में बेबाकी के साथ सच लिखने की चर्चा कलेक्टर सोमेश मिश्रा की रवानगी के साथ हर गांव में बन चुकी है कि, माही की गूंज समाचार पत्र में झाबुआ जिले का प्रशासनिक मुखिया कलेक्टर सोमेश मिश्रा की कारस्तानी व उनके निर्देशन में किस तरह से जिले में कलेक्टर मिश्रा सिर्फ कोविड प्रभारी बन कर रहे और बाकी सब दूर सरकार को हरा-हरा दिखाकर जिले में भ्रष्टाचार की एक सीढ़ी और पार कर के किस तरह से जिले को भ्रष्टाचार की दल-दल में ले जाकर कई इबादते लिखी गई। जिसके कुछ उदाहरण जो सार्वजनिक हुए। माही की गूंज ने भी आमजन के हक में भी अपनी बेबाकी कलम के साथ सच को उजागर कर हमारे पाठकों के माध्यम से आम जनता तक जो सच था उसे तथ्यात्मक रूप से सार्वजनिक किया और आज हमारी कलम की सच्चाई कलेक्टर की रवानगी के साथ भी चर्चा का विषय बन गया। हम यहां हमारे पाठकों का व आम जनता का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने माही की गूंज में छपी हमारी लेखनी को सराहा और कुछ समय में ही माही की गूंज आज हर किसी की आवाज बन उसके विश्वास पर खरा उतरने का एक माध्यम बना है। हम आगे भी इसी तरह विश्वास दिलाते है कि, आम जनता के हक में सदैव हमारी कलम इसी तरह से बेबाकी के साथ चलती रहेगी ।

जिले में माफियाओं व भ्रष्टाचारियों की बात करें तो उनके बारे में जितना भी लिखे व कहे तो शायद वह कम ही होगा। जिले में सोमेश मिश्रा के कलेक्टर के रूप में आमद के साथ कोरोना जैसी घातक बीमारी को नियंत्रण करने में उपलब्धि हासिल की लेकिन इसको छोड़ जिले में अनियमितता और भ्रष्टाचार की एक सीढ़ी ऊपर चढ कई इबादते लिख कलेक्टर ने माफियाओं को अपना दलाल बनाकर कलेक्टर की गरिमा को धूमिल कर भ्रष्टाचार व माफियाओं को बढ़ावा दिया है।

जिसके चलते माफियाओं के मैनेजमेंट के साथ कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अपने घर की शाही शादी करवाई। वहीं बायोडीजल के नाम पर केमिकल युक्त डीजल का अवैध व्यापार कलेक्टर के आशीर्वाद के साथ जमकर फला-फुला। वहीं मनरेगा आदि विकास कार्यों के साथ अमृत सरोवर तालाब में कलेक्टर मिश्रा ने सिर्फ अपनी वाह-वाही करने के लिए भाजपा जनप्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में ऐसे प्रथम अमृत सरोवर झाबुआ जिले के थांदला जनपद के रन्नी पंचायत में शुभारंभ किया, जिस सरोवर का निर्माण जीआर इंफ्रा लिमिटेड कंपनी की मशीनों से करवाकर, यहां से निकाली गई मिट्टी को तोहफे के रुप में जीआर इंफ्रा कम्पनी द्वारा करवाये जा रहे 8 लेन कार्य हेतु दी गई। वही प्रदेश का जिले में प्रथम सरोवर तालाब बनाने का सेहरा बांध शिवराज सरकार के साथ दिल्ली की संसद तक उक्त भ्रष्टाचार रूपी अमृत सरोवर की वाहवाही लुटने का पुलिंदा भेजा गया।

नाचे कूदे वांदरी खीर खाए फकीर

दिल्ली तक जाने वाला यह कैसा अमृत सरोवर...?

26 मई को प्रकाशित समाचार जिसमें भ्रष्ट व प्रदेश में प्रथम अमृतसरोवर तालाब बनाकर कलेक्टर ने लुटी वाह-वाही।

ऐसे कई मामलों के समाचार माही की गूंज ने प्रकाशित किए, वहीं अमृत सरोवर तालाब की राशि आहरण हेतु राणापुर उपयंत्री हाल ही में 20 हज़ार रूपये की रिश्वत लेते लोकायुक्त टीम ने धर दबोचा।

माही की गूंज में छपे मामलों के साथ आदि अन्य भ्रष्टाचार के संबंध में कलेक्टर की शिकायत सीएम शिवराज को की गई। एसपी अरविंद तिवारी जिसने सुरक्षा देने के बजाय अपनी अमर्यादित भाषा के साथ छात्र को धमकाया, जिस पर निलंबित करने का मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ था ही।

वही पेटलावद दौरे के दौरान कलेक्टर की कारस्तानी सीएम ने रूबरू सुनी जिसके बाद सोमेश मिश्रा का कलेक्टर पद छिन झाबुआ से रवानगी दे दी।

कलेक्टर की रवानगी के साथ ही माही की गूंज के पाठकों एवं आमजन ने माही की गूंज में गूंजी गूंज की चर्चा का दौर जोरों पर होकर हर कोई यही कह रहा है कि, एसपी अरविंद तिवारी व कलेक्टर सोमेश मिश्रा की रवानगी के साथ ही बेलगाम अफसरशाही व भ्रष्टाचार के खुलासे के साथ भाजपा सरकार की विफलता भी सामने आई है।

जिले में अब तक सुर्खियों में बनी हुई है

कलेक्टर साहब के घर की शाही शादी

24 फरवरी को प्रकाशित समाचार जिसमें कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अपनी बहन की शाही शादी का माफियाओ को पुरा मेनेजमेंट देने व शासकिय संसाधनों के साथ अधिनस्थ अधिकारी का दुरूपयोग किया।

पिटोल के सारे ठीकाने बंद, सारे माफियाओं ने मिलकर खजूरखो को बनाया अपना ठीकाना

3 से 4 माह तक सतत् गूंज में 11 नवम्बर 2021 की तर्ज पर डीजल माफियाओ को कलेक्टर एंव उनके अधिनस्त अधिकारीयो के संरक्षण के साथ बायोडीजल के नाम पर जमकर केमिकल युक्त ड़ीजल बेचने का किया खुलासा।

नई कलेक्टर के लिए चुनौतियों से भरा पड़ा है जिला, जनता को भी है बड़ी उम्मीद...

भ्रष्टाचारियों, माफियाओं, चापलूसों, चाटूकारों से क्या पार पा सकेंगी नई कलेक्टर !

माही की गूंज, झाबुआ।

अपने अमर्यादित कार्यो के चलते निपटे कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक अरविंद तिवारी के बाद जिले में नए अधिकारियों की आमद एक ऐसे समय में हो रही है जबकि चुनाव सिर पर है और जिले में राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। इस स्थिति में आने वाले अधिकारियों के लिए यह अग्नि परीक्षा का समय है। यह स्थिति जिलेवासियों को यह परखने का मौका देगी कि, जिले को मिले नए अधीकारियों में कितनी काबिलियत है और वे जिले के सर्वांगिण विकास में अपनी किस तरह की भूमिका अदा करने वाले है। जिले की जनता को टप्पे खाते अधिकारियों के आने और जाने से इतना अनुभव तो हो ही गया है कि, वे कुछ दिनों यह जान लेते है कि किस अधिकारी की किस तरह की कार्य प्रणाली है। जिले की जनता ने आते-जाते अधिकारियों को पहले भी देखा है, वर्तमान में भी देख रही है और नए अधिकारियों को भविष्य में भी देखेगी। अप्रेल 2021 में जिले में कलेक्टर के रूप में पदस्थ हुए पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा का कार्यकाल कुछ ठीक नहीं रहा। इनके कार्यकाल में बड़े-बड़े भ्रष्टाचार इनकी मौन स्वीकृति से हुए और इस तरह के भ्रष्टाचार का विरोध करने वालों को भी इसका हिस्सा बना लिया गया। एक लंबी फेहरिस्त भ्रष्टाचार, घपलों और घोटालों की कलेक्टर सोमेश मिश्रा के कार्यकाल में दिखाई पड़ती है। बावजूद इसके जिले में लंबा कार्यकाल प्रदेश सरकार पर सवालिया निशान ही खड़ा करता है। जो काम सरकार को बहुत पहले कर देना चाहिए था वह बहुत विलंब के बाद हुआ। कलेक्टर मिश्रा की जिन उपलब्धियों को गिनाया जा रहा है वह सिर्फ कागजी खानापुर्ति ही कही जाएगी। क्योंकि जमीनी स्तर पर जिले के हालात मिश्रा के पहले से भी बदतर वर्तमान में नजर आ रहे है। कलेक्टर मिश्रा के कार्यकाल में आमजन की समस्या का निराकरण कहीं होते दिखाई नहीं दिया। भ्रष्टाचार इतना चरम पर रहा कि कोई भी सरकारी काम काज बिना लेन-देन के हो ही नहीं सकता। मिश्रा के कार्यकाल में सिर्फ चापलूसों, चाटूकारों के ही वारे-न्यारे हुए मगर जनता के साथ जिले का बेड़ा गर्क ही नजर आया। कलेक्टर मिश्रा के कार्यकाल के तमाम छोटे-बड़े भ्रष्टाचार लोगों में चौराहों पर चर्चा का विषय बने रहे। बावजूद इसके सरकार का उन्हे खुला संरक्षण प्राप्त रहा। बताया जाता है कि, साहब किसी भाजपा के राष्ट्रीय नेता के दामाद जो ठहरे । शायद यही वह कारण है जिसने कलेक्टर मिश्रा को खुलेआम भ्रष्टाचार की छूट दे रखी थी। हालांकि यह जिला इससे पहले भी कई भ्रष्ट अधिकारियों व कलेक्टरों को झेल चुका है। मगर कलेक्टर मिश्रा इस जिले में सबसे भ्रष्ट कलेक्टर के रूप में याद रखे जाएंगे। खैर जो भी हो लेकिन पाप का घड़ा एक ना एक दिन फूटता ही है।

नवागत कलेक्टर रंजनीसिंह

झाबुआ पुर्व भ्रष्ट कलेक्टर सोमेश मिश्रा

अब जिले को आने वाले नए अधिकारियों से कई उम्मीदें है, लेकिन उम्मीदों का क्या है यह जिला तो हर अधिकारी से उम्मीदे लगाता ही आया है। मगर अब तक जिले की उम्मीदों पर कुछेक अधिकारी ही खरे उतरे है। कलेक्टर मिश्रा की रवानगी के बाद जिले में जयश्री कियावत, अरूणा गुप्ता, के बाद तीसरी महिला कलेक्टर के रूप में तथा रजनीसिंह पहली बार किसी जिले की कलेक्टर बनकर झाबुआ का पदभार ग्रहण किया है। और पदभार ग्रहण करते ही प्रथम प्राथमिकता शांतिपुर्ण चुनाव करवाने का लक्ष्य रखा है। रजनीसिंह इससे पहले वे कुछ दिन पूर्व 18 जून को ही जिले में अधिकारिक यात्रा पर आई थी। उस समय किसी ने यह सोचा भी नहीं था कि, सिर्फ कुछ दिनों बाद ही वे जिले में नए कलेक्टर के रूप में आएंगी। इससे पहले रजनीसिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी थी और अपर आयुक्त (राजस्व) इंदौर संभाग के पद पर कार्यरत थी। यह भी बताया जाता है कि, वे पडोसी जिले अलीराजपुर कलेक्टर की धर्मपत्नी है। पहली बार कलेक्टर बनी रजनीसिंह के लिए यह जिला चुनौती भरा हो सकता है। क्योंकि यहां भ्रष्टाचार अपने चरम स्तर पर फैल चुका है। यहां की राजनीति भी नई कलेक्टर के सामने एक चुनौती ही साबित होगी। भ्रष्ट अधिकारियों के दम पर जिले में फैला माफियाओं का साम्राज्य किसी से छुपा नहीं है। रेत माफिया, खनिज माफिया, शराब माफिया, अवैध डीजल माफिया आदि कई माफियाओं का जाल जिले में पसरा पड़ा है जो नई कलेक्टर को चुनौती देगा। इसके अलावा पिछले कलेक्टर की धुमिल छवि से भी पार पाना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। फिलहाल जिले की चार नगरीय निकायों में चुनावी दौर चल रहा है और नई कलेक्टर को कम समय में इसका निर्वाहन करना है तो यहां भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है इसीलिए नवागत कलेक्टर रंजनीसिंह ने पदभार संभालते ही अपनी प्रथम प्राथमिकता शांतिपुर्ण चुनाव करवाने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा कम समय में अपने अधिकनस्तों को परख कर चापलूसों और चाटूकारों से बचना भी एक चुनौती है। मगर माही की गूंज का यह मानना है कि, ''जब ओखली में सिर दे ही दिया है तो फिर मुसल से क्या डरना''। जिले की नई कलेक्टर को माही की गूंज परिवार की औेर से हार्दिक शुभकामनाओ के साथ यही उम्मीद कि, मां शक्तिस्वरूपा कलेक्टर रजनीसिंह नवरात्र के पहले ही पधार गई है, तो जिले का कल्याण ही होगा। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। माफियाओं की नाक में नकेल कसी जाएगी। जिले की गरीब जनता की सुनवाई होगी और जिले का सर्वांगिण विकास होगा। इन्ही शुभकामनाओं के साथ माही की गूंज परिवार आपका जिले में स्वागत करता है....

क्या भाजपा का यही सुशासन है...?

''पुलिस का भय अपराधियों में होना चाहिए आम जनता में नही :- हो रहा है उल्टा''

माही की गूंज झाबुआ/अलीराजपुर

पुलिस और आम जनता के मध्य कैसा रिश्ता होना चाहिए, इसको लेकर प्रदेश के मुखिया शिवराजसिंह चौहान अक्सर यह कहते रहे हैं कि, पुलिस का खौफ अपराधियों के मन में होना चाहिए, आम जनता के मन में नहीं। लेकिन पिछले 19 वर्षों से (2018 में 15 माह छोड़कर) सतत् प्रदेश में भाजपा की सरकार है और शिवराजसिंह चौहान लंबे समय से इस प्रदेश के मुखिया बने हुए हैं। बावजूद इसके अपराधियों के मन में तो पुलिस का कोई खौफ नहीं है, हॉ आम जनता को जरूर पुलिस से डर रही है। वही वाजिब काम होने के बावजूद सीधे पुलिस के पास जाने में डरती है और प्रदेश के थानों और चौकियों में बिचौलियों की सीधी दखल है, बिना बिचौलियों के पुलिस तक आम जनता का पहुंचना टेडी खीर है।

पुर्व झाबुआ एसपी अरविंद तिवारी

हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने झाबुआ जिले की एक घटना को लेकर सीधे एसपी के निलंबन की कार्यवाही तक की। जब वे उसी दिन जिले में चुनावी सभा लेने पहुंचने वाले थे, जिसको लेकर आम जनता में तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। कुछ लोगों का कहना है ये केवल चुनावी हथकंडा है, जिले के चार नगरीय चुनाव में तात्कालिक लाभ के लिए उठाया गया कदम है। वहीं कुछ लोगों का कहना है, मामाजी अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार की कार्यवाही कर रहे है। निश्चित ही मुख्यमंत्री का इस मुद्दे पर तुरंत एक्शन लेना काबिले तारीफ है, लेकिन इसकी टाइमिंग निश्चित ही संदेह के घेरे में है। बेलगाम अफसरशाही के चलते भाजपा सरकार हमेशा से ही विपक्षियों के निशानों पर रही है। वहीं प्रदेश में भ्रष्टाचार भी चरम पर पहुंच चुका है। यही नहीं कानून व्यवस्था में सरकार की पकड़ कमजोर होती जा रही है। ऐसे में आम जनता का कहना है कि, ऐसी कार्यवाही केवल चुनावी लाभ के लिए नहीं होना चाहिए। ये कार्यवाही लगातार चलती रहनी चाहिए। स्वस्थ्य लोकतंत्र में न केवल सशक्त विपक्ष, बल्कि निष्पक्ष मीडिया भी प्रभावी रूप से होना चाहिए। लेकिन पिछले कई वर्षों से प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार होने से शायद मीडिया भी देश को वही दिखा रहा है। जो सरकार दिखाना चाह रही है या यु कहें मीडिया सरकार की प्रवक्ता के रूप में दिखाई दे रही है। प्रशासन के प्रेसनोट को जारी कर मीडिया अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रही है जिससे आम जनता के बीच सही स्थिति नहीं जा पा रही है।

ऐसा एक मामला अलीराजपुर जिले का है, जिसमें पुलिस द्वारा घायल शातिर अपराधी विनु उर्फ प्रवीण अस्पताल में ईलाज के दौरान भाग जाता है और पुलिस द्वारा पीछा किया जाता है और बदमाश को घेर लिया जाता है। जिसके बाद वह पुलिस पर भी फायर करता है, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाकर उसके पैर में गोली मारकर घायल कर दिया जाता है और पुलिस उसे पुनः गिरफ्तारी में ले लेती है। उक्त घटना कई सवाल उत्पन्न करती है और पुलिस को भी चाहिए कि, वे वास्तविकता से जनता को रूबरू करवाए। पहला सवाल यह कि, बदमाश पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल से फरार होता है...? पुलिस के अनुसार वह शातिर अपराधी था तो अस्पताल में उसकी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं की गई...? दूसरा सवाल अस्पताल में भर्ती कराने के दौरान उसकी गहन तलाशी ली गई होगी... ऐसे में भागने के दौरान उसने पुलिस की गाड़ी पर फायर कर दिया, जबकि अस्पताल में से तो वह निहत्था ही भगा होगा...? भागने के दौरान उसके पास हथियार कहां से आया...? मुठभेड़ के दौरान अगर बदमाश ने पुलिस की गाड़ी पर फायर किया तो गाड़ी के अगले हिस्से पर गोली मारी गई होगी, जबकि पुलिस द्वारा फोटो के माध्यम से गाड़ी के मध्यभाग पर गोली मारना बतलाया जा रहा है...? निश्चित रूप से इन सवालों का जवाब पुलिस द्वारा आम जनता को दिया जाना चाहिए लेकिन पुलिस केवल स्वयं ही प्रेसनोट जारी कर अपनी पीठ थपथपा रही है।

अलीराजपुर पुलिस पर्दे के पीछे का राज नही बताकर कुछ और ही बताने का कर रही प्रयास।

जबकि पुलिस द्वारा पत्रकार वार्ता की जानी चाहिए और पत्रकारों के सवालों का सामना करना चाहिए।

शिवराज सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद है, अपराधियों के मन में पुलिस का तनिक भी कोई डर नहीं है। शायद इसीलिए अपराधी पुलिस पर गोली चलाने में भी नहीं डर रहे हैं, इसके विपरीत आम जनता में पुलिस का भय है और वह पुलिस के पास बिना बिचोलिए के जा नहीं सकती। क्या भाजपा का यही सुशासन है...?

नगर परिषद के लिए घमासन, भाजपा वर्सेस भाजपा 'बी' के बीच उलझा चुनाव

अध्यक्ष के सीधे चुनाव नहीं होने से वार्डों में सिमटा चुनाव, कांग्रेस की नजर वर्षों बाद नगर परिषद की कुर्सी पर

वार्डों का रोचक मुकाबला, दांव पर लगी भाजपा की साख, कार्यकर्ता गायब

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

27 सितंबर को सभी मैदान में डटे 55 प्रत्याशियो का भाग्य ईवीएम मशीन में केद होने से पहले चुनाव में जीत के लिए हर प्रत्याशी द्वारा जी तोड़ मेहनत की जा रही है। पहली बार मैदान में कोई अध्यक्ष सीधे नही होने से चुनाव का रोमांच कम हो गया है और सड़क की बजाए चुनाव वार्डो में सिमट गया है। भाजपा की चुनावी रणनीति कहे या संगठन कि कमी कहे, पूरा चुनाव भाजपा से निकल कर समाजवाद की भेंट चढ़ गया। जहां ज्यादातर वार्डो में कार्यकर्ताओं से ज्यादा समाज को मौका दिया और उसी के चलते भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशीयो से दूरी अभी तक बना रखी है। सोमवार को चुनावी सभा को सम्बोधित करने आए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी कार्यकर्ताओ में जोश नही भर सके। नगर परिषद में होने वाले मुख्य चुनाव के पिछले रिकॉर्ड को देखा जाए तो पूरा चुनाव भाजपा वर्सेस बागी व निर्दलीय के बीच रहा है। कांग्रेस कभी भी भाजपा को चुनोती देती यहा नजर नही आई है। जो लड़ाई यहां अध्यक्ष पद के लिए होती थी वही स्थति अब वार्डो में हो चुकी है। जिसका फायदा कांग्रेस उठा कर वर्षो बाद नगर परिषद में कब्जा करने का प्लान कर रही है और उस और तेज़ी से काम करते हुए 6 से 8 वार्डो में जीत की योजना बना रही है, क्योंकि इस बार वार्डो में निर्दलीयों का दबदबा रहने की संभावना बढ़ गई है।

वार्ड अनुसार क्या है स्थिति...? आदिवासी महिला पहली बार बनेगी अध्यक्ष

पहली बार आदिवासी महिला नगर परिषद की अध्यक्ष होगी, जिसके लिए किसी भी दल को कम से कम 8 वार्डों में जीत दर्ज करनी होगी। लेकिन नगरीय स्थिति और शहर में भाजपा अपने आभामंडल में शायद ये भुल कर चुनाव मैदान में है और ज्यादा चर्चा सामान्य और पिछड़ा वर्ग की सीट पर हो रही। एसटी वर्ग के लिए आरक्षित कुल चार सीटों पर भाजपा ने आदिवासी महिला को मैदान में उतारा है लेकिन चार में तीन वार्डो में पूर्व पार्षदों को टिकिट दे दिया, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। दूसरी ओर इन चार सीटो पर भाजपा का कोई फोकस नही है। कांग्रेस का सीधा-सीधा निशाना चारो आदिवासी सीटो पर है।

वार्ड 1 मे त्रिकोणीय मुकाबला, पूर्व अध्यक्ष को मिल रही कड़ी चुनोती

नगर का सबसे बड़ा दूसरा वार्ड, वार्ड एक अनारक्षित है।यहा मुकाबला त्रिकोणीय है लेकिन टक्कर यहां भाजपा वर्सस भाजपा के बागी के बीच मानी जा रही है। भाजपा की और से पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष विनोद भंडारी, तो कांग्रेस की और से विधायक प्रतिनिधि जीवनसिंह ठाकुर मैदान में है। भाजपा से टिकिट लेने में असफल रहे भाजपा के नेता मुकेश परमार सारे प्रयासों के बाद निर्दलीय बन कर मैदान में डटे हुए है। यहां मतदाता सूची में एक हजार 564 मतदाता है लेकिन किसी का दो और तीन बार नाम के कारण संख्या एक हजार 300 के लगभग ही मतदाता है। जिसमे से लगभग आधे मत ब्राह्मण और जैन समाज से आते है। भाजपा की और से उतरे विनोद भंडारी अपनी रणनीति के तहत अकेले ही किला लड़ा रहे है। उनके पास उनके कार्यकाल के समय की उपलब्धियां गिनाने के लिए है। पिछले नगर परिषद अध्यक्ष मनोहर भटेवरा के कार्यकाल में हुए भारी भ्रष्टाचार और नगर की अनदेखी के बाद लोगो के मुह पर विनोद भंडारी के कार्यकाल की यादें ताज़ा हो गई, जो सफल रहा था। वार्ड की जनता ने अगर उनके कार्यकाल को आधार मानती है तो जीत के लिए ज्यादा मशक्कत नही करनी पड़ेगी। भाजपा का वोट बैंक भी इस वार्ड में बड़ी संख्या में है लेकिन पूर्व के पार्षद द्वारा वार्ड की भारी अनदेखी और टिकिट वितरण में स्थानीय प्रत्याशी को तवज्जो नही मिलने के कारण यहां का चुनाव न केवल भाजपा बल्कि विनोद भंडारी के लिए चुनोती बन गया है। उनके कार्यकाल में हुए कार्यो को लेकर मैदान में उतर कर इस चुनोती से पार पाने का दावा कर रहै है।

कांग्रेस की और से विधायक प्रतिनिधि जीवन सिंह ठाकुर भी इस वार्ड से नही आते और कांग्रेस की और से मैदान में उनके पास खोने के लिए कुछ भी नही है। कहा जा सकता है कि, कांग्रेस यहां केवल खानापूर्ति के लिए ही मैदान में उतरी है। लेकिन भाजपा के बागी के मैदान में उतरने के कारण कांग्रेस भी यहां लड़ाई में होने का दावा कर रही है। जीवन ठाकुर पिछले नगर परिषद के कार्यकाल में विधायक प्रतिनिधि के रूप में नगर परिषद का हिस्सा बने रहे, लेकिन नगर परिषद के गलत कार्यो का कभी विरोध नही किया, जिसका खमियाजा इनको भुगतान पड़ सकता है। तीसरे प्रत्याशी के रूप में भाजपा के ही बागी नेता मुकेश परमार मैदान में टिकिट नही मिलने के बाद भाजपा के बड़े मान मनोव्वल के बाद भी मैदान में डटे हुए है और समाज़सेवी के रुप इस वार्ड में जुड़े हुए है। पहले इनको भाजपा वार्ड नम्बर 4 से मैदान में उतार रही थी लेकिन मुकेश परमार ने वार्ड नम्बर 4 से मैदान में उतरने से इनकार कर दिया और वार्ड एक से ही निर्दलीय मैदान में उतर गए। वार्ड में सिर्वी वोट बैंक के साथ-साथ युवाओं में मुकेश परमार को लेकर उत्साह के कारण भाजपा को सोचने पर मजबूर कर दिया है। आज की स्थिति में यदि मतदान हो तो भाजपा प्रत्याशी के लिए राहे मुश्किल होती नजर आ रही है। हालांकि भाजपा ने अभी तक वार्ड में अपनी ताकत लगाना शुरु नही की है, चुनाव होते-होते कई बड़े नेता और मंत्रीयो के मैदान में उतरने की सम्भावना है। जिसके बाद वर्तमान के समीकरणों में परिवर्तन देखने मिल सकता है।

वार्ड 2 में पूर्व पार्षद की पत्नी मैदान में, पार्टी से दगा करके टिकिट लाने में सफल, कांग्रेस को नही मिला प्रत्याशी

वार्ड 2 नगर का सिर्वी समाज बाहुल्य वार्ड है। इसमे कुल 547 मतदाता में से लगभग 300 मतदाता सिर्वी समाज के है। इसलिए यहां से मैदान मे उतरे सभी चार प्रत्याशी सिर्वी समाज से है। यहां कोई भी जीते मौका सिर्वी समाज को ही प्रतिनिधित्व करने का मिलेगा। इस बार यह वार्ड महिला के लिए आरक्षित हैं। भाजपा की और से पुर्व पार्षद प्रकाश मुलेवा की पत्नी रचना मुलेवा मैदान में है। पिछली परिषद में भाजपा से दगा कर उपाध्यक्ष बनने की चाहत में भाजपा से दगा कर निर्दलीय मैदान में उतरे थे। भाजपा ने सब भुला कर इनको ही मौका दिया है। परिषद के ग्रामीण क्षेत्रो को छोड़ दिया जाए तो नगर के सभी पूर्व पार्षदों के टिकिट कट चुके है, लेकिन मुलेवा अपनी टिकिट बचाने में सफल रहे। इनकी सबसे बड़ी ताकत वार्ड में इनका पारिवारिक वोट बैंक है जिसको देखते हुए अपनी टिकिट बचा पाए है। पार्षद रहते नगर के कई गंभीर मुद्दों पर पूर्व पार्षद मौन रह कर कमीशन लेने में विश्वास रखते रहे है, जिस कारण नगर को कोई बड़ी सौगात नही मिल सकी। यहां कांग्रेस सीधे किसी प्रकार की चुनोती नही दे रही है और वार्ड में अपना प्रत्याशी तक मैदान में नही उतार पाई है।

यहां से भाजपा को चुनोती देने के लिए निर्दलीय गुड्डी गोपाल मुलेवा मैदान में है जो भाजपा प्रत्याशी के परिवार की ही है, जिससे मुकाबला कड़ा हो गया है। गुड्डी साधारण परिवार से आने वाली महिला है, पहली बार मैदान में उतरी गुड्डी मुलेवा ने भाजपा प्रत्याशी के एक तरफा जीत के सारे समीकरण बिगाड़ कर रख दिए है।

निर्दलीय प्रत्याशी इंद्रा मुकेश पडियार मैदान में है। मुकेश कांग्रेस कार्यकर्ता होकर चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस से इस्तीफा देकर निर्दलीय ही पत्नी को मैदान में उतारना ठिक समझा। पडियार परिवार और पर्दे के पीछे कांग्रेस के सहयोग से वार्ड के परिणाम पर प्रभाव डाल रहे है। एक अन्य प्रत्याशी पार्वती परमार भी मैदान में है जो इस वार्ड में काट रहे वोट किसी की हार-जीत का कारण बन सकते है। यहां से चुनाव जीत पाना इनके लिए सितारे तोड़ने जैसा होगा।

वार्ड 3 हो सकता है अध्यक्ष का वार्ड, अजजा मुक्त होने के बाद भी भाजपा ने महिला प्रत्याशी को उतारा मैदान में

वार्ड तीन अजजा मुक्त वार्ड है जहां से इस परिषद का अध्यक्ष भी निकल सकता है। वार्ड में कुल 689 मतदाता है और एक बड़ा हिस्सा सिर्वी समाज के मतों का भी है। आदिवासी वोट बैंक के साथ सिर्वी समाज को साधने वाला इस वार्ड से जीत कर आ सकता है। भाजपा ने यहां से पूर्व पार्षद राजू मैडा की पत्नी शांता मैडा को ही टिकिट दिया। जबकि पिछले पार्षदों का कड़ा विरोध रहा है। यहां भाजपा चाहती तो पूर्व पार्षद को ही उतार सकती थी लेकिन अध्यक्ष की सीट महिला के लिए आरक्षित सीट होने के कारण भाजपा ने कोई रिस्क नही लेते हुए महिला को ही मैदान में उतारा है। यहां से भाजपा के लिए जीत दर्ज करना थोड़ा मुश्किल नजर आ रहा है। नगर में आदिवासी नेताओ की कमी और भाजपा का ज्यादा फोकस बाजार के वार्डो पर होने के कारण यहां पूर्व पार्षद को बड़ी चुनोती मिल रही है। कांग्रेस ने यहां भाजपा जैसा दाव नही खेला ओर अपने पुरुष कार्यकर्ता बहादुर डामोर को ही मैदान में उतारा। बताया जा रहा है, बहादुर मिलनसार और सीधे-सादे व्यक्तित्व वाले है और सिर्वी मतदाताओं में भी पैठ रखते है। कांग्रेस इनके लिए जी तोड़ मेहनत कर रही है। मुकाबला दोनों दलों में ही सीमित था लेकिन विक्रम कटारा ने निर्दलीय मैदान में उतर कर दोनों दलों के लिए वार्ड चुनोती भरा बना दिया। विक्रम कटारा, शिक्षित मजदूर वर्ग के होकर पिछली परिषदो द्वारा किये गए कई भ्रष्टाचारों की पोल खोलकर भोपाल तक जाकर जांच की मांग कर चुके है। भ्रष्ट सिस्टम ने भले एक नही सुनी लेकिन ये चर्चा में रहे व भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाने में सबसे आगे रहे। विक्रम कटारा ने जितने के बाद पिछली परिषद के सारे भ्रष्टाचार उजागर करने का वादा जनता से किया है। वार्ड में कुल 5 प्रत्याशी है जिसमे कन्ना बाई मेडा और सोवनी गौरीशंकर भी है जो नतीज़ों को कितना प्रभावित करती है ये देखना होगा।

वार्ड 4 में कांग्रेस को जीतने का पूरा भरोसा, भाजपा ने उतारा नया चेहरा, कांग्रेस की वोट कटिंग बनेगी परेशानी

वार्ड 4 पिछड़ा वर्ग मुक्त के लिए आरक्षित है। यह वार्ड कांग्रेस माना जाता है वार्ड में कुल 622 मतदाता है जिसमे से आधे से ज्यादा वोट सिर्वी, नाई और मुस्लिम समाज के है बाकि अन्य समाज के वोट है। वार्ड कांग्रेस के प्रभाव वाला रहा है लेकिन पिछली बार धन-बल के दम पर भाजपा ने यहां से जीत दर्ज कर ली थी। लेकिन विगत 5 वर्षों में वार्ड से दूरी के कारण मतदाताओ में नाराजगी है। जिसके चलते पूर्व पार्षद सहित कई पिछड़ा वर्ग के भाजपा नेता मैदान में उतरने तक को तैयार थे। जहां एक ओर सभी वार्डो में भाजपा की टिकिट पर चुनाव लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं में होड़ मची थी। वही वार्ड क्रमांक 4 के लिए एक-दो लोग ही सामने आए। यहां कांग्रेस से दिनेश पडियार मैदान में है जो पिछले चुनाव में यहां से हारे थे और इस बार मजबूती से मैदान में है। सब कुछ सही रहा तो इस बार कांग्रेस को यहाँ से जीत का स्वाद फिर से चखने को मिलेगा। पिछली हार के बाद भाजपा के पार्षद द्वारा वार्ड पर कोई ध्यान नही देने के कारण भाजपा का कड़ा विरोध है और वही कांग्रेस के लिए जीत का मंत्र साबित होता दिख रहा है। सिर्वी समाज के प्रभाव वाला ये वार्ड भी नगर परिषद को सिर्वी समाज को ही प्रतिनिधित्व का मौका देगा। भाजपा के कई कार्यकर्ताओ के पीछे हटने के बाद यहां से विमल गेहलोत को मैदान में उतारा है। विमल इसी वार्ड में रहते है और बिल्कुल नया चेहरा है। इनकी ताकत भाजपा का फिक्स वोट बैंक है वही इनकी पत्नी नाई समाज से आती है जिनके भी अच्छे वोट इस वार्ड में है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की टीम इनके लिए काम कर रही है। पिछले कार्यकाल के फेलियर को पीछे छोड़ वार्ड के लिये कुछ नया प्लान बना कर चुनाव लड़ना होगा तभी यहां कांग्रेस की चुनोती से पार पाया जा सकता है। वार्ड में तीन प्रत्याशि मैदान में है और तीसरे प्रत्याशी के कारण ही भाजपा मैदान में है यहां से पूर्व कांग्रेस में पार्षद रहे प्रदीप परमार मैदान में है। भाजपा ने यहां हार का आंकलन पहले ही कर लिया था जिसके चलते कांग्रेस प्रत्याशी सहित कांग्रेस के बागी प्रदीप परमार को भाजपा में शामिल कर अपनी ओर से चुनाव लड़वाना चाहती थी, लेकिन असफल ही रहे। प्रदीप परमार का वार्ड में अच्छा खासा वर्चस्व रहा है और ये तय है कि, प्रदीप अगर नही जीते तो इनको मिलने वाला वोट बैंक भाजपा के लिए उम्मीदें जगा देगा। हालांकि प्रदीप परमार निर्दलीय होकर भी कड़ी चुनोती दे रहे है। पूरी परिषद के 15 वार्डो में भाजपा के लिए सबसे मुश्किल सीट यही मानी जा रही है।

वार्ड 5 में निर्दलीय ने बिगाड़ दिया भाजपा समीकरण, त्रिकोणीय मुकाबला

वार्ड 5 नगर के मुख्य चौराहे से लगा हुआ है। वार्ड में लगभग 5सौ मतदाता है जहां से भाजपा की पूरी राजनीति चलती है। लेकिन इस वार्ड की खासियत ये है कि, यहां मतदाता एक मत हो कर व्यक्ति चुन कर जीतता है। पिछली बार भी यहां से निर्दलीय प्रत्याशी, भाजपा-कांग्रेस को धूल चटा चुका है। ऐसे में एक बार फिर वार्ड में मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित होने के चलते इस वार्ड से पूर्व पार्षद लाला चौधरी ने मैदान में नही उतरने का फैसला किया। भाजपा की और से तीन से चार कार्यकर्ता मैदान में उतरे जरूर थे लेकिन टिकिट तय हुआ वरिष्ठ पत्रकार मनोज जानी की धर्मपत्नी नेहा जानी का, जिसके बाद भाजपा के समर्थन में लगभग सभी नामांकन वापस हो गए। एक और निर्दलीय प्रत्याशी अगर अपना नाम वापस लेते तो ये सीट भाजपा के खाते में चली गई होती। पत्रकार मनोज जानी इसी वार्ड से आते है और उनकी मेहनत के दम पर किला फतह करने की तैयारी में है। शुरू-शुरू में जैन बाहुल्य का प्रभाव वाले वार्ड में भाजपा द्वारा किसी जैन समाज के व्यक्ति को टिकिट नही देने के कारण नाराजगी थी लेकिन वो अब ज्यादा नजर नही आ रही है। वार्ड में ही मुख्यमंत्री की सभा भी हो चुकी है जिससे भाजपा के पक्ष में माहौल बनता दिख रहा है। लेकिन भाजपा की जीत का बड़ा रोड़ा बन कर उभरे दीपक निमज़ा जो किसी भी कीमत पर भाजपा से पत्नी चांदनी निमज़ा के लिए टिकिट लेने के लिए अड़े थे। भाजपा से टिकिट नही होने पर बागी ही मैदान में उतरे है। स्थानीय वार्ड के निवासी होकर वार्ड के आने वाले लगभग 100 वोट इनकी झोली में पहले से है और जैन समाज के इस वार्ड में लगभग 300 मत है, ये मत किस दिशा में जाता है ये देखना होगा। कांग्रेस भी लगभग इस वार्ड में उपस्थिती दर्ज करवाने के लिए खड़ी है और जैन बाहुल्य को देखते हुए भारती गांधी को टिकिट दिया है। इनकी जीत की संभावना तभी सम्भव है जब समाज के नाम पर इनको इस वार्ड से वोट मिले।

वार्ड 6 नगर का ही नही वरन प्रदेश की राजनीति में बना चर्चा का विषय, मुख्यमंत्री तक नही बता पाए भाजपा का यहाँ कौन !

वार्ड 6 नगर ही नही वरन पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। बीते 20-25 वर्षो से ये वार्ड भाजपा के खाते में रहा है। यहां से भाजपा ने पिछले तीन बार के पार्षद का टिकिट काट के मण्डल उपाध्यक्ष गौतम गेहलोत को भाजपा प्रत्याशी बनाया। लेकिन नामांकन वापसी से ठीक पहले भाजपा नेताओं के रवैये से क्षुब्ध होकर खुद ही मीडिया के सामने भाजपा का टिकिट त्याग गए। लेकिन नामांकन वापसी नही होने के कारण अंत मे गौतम गेहलोत को ही भाजपा का चिन्ह मिल गया। सांसद लाबी से टिकिट करवाने के कारण यहाँ भाजपा के दूसरे गुट ने इनको निपटाने के लिए हर सम्भव प्रयास किये और चुनाव से पहले ही सांसद की भारी किरकिरी करवा दी। स्थिति बिगड़ने के बाद विवाद निपटाने के प्रयास नही हुए और आज तक भाजपा की और से वार्ड की पिकच्चर साफ नही की है। लगभग 570 मतों वाले इस वार्ड में 150 से ज्यादा मत राठौर (तेली) समाज से है और पिछले तीन बार से यहां के पार्षद शंकर राठौर ओर उनकी पत्नी ही रही है। लेकिन इस बार भाजपा ने उनका टिकिट काट दिया और शंकर राठौर भाजपा से बागी हो कर मैदान में उतर गए। भाजपा प्रत्याशी द्वारा उपजाए गए विवाद के बाद भाजपा खुद इनके चरणों मे अप्रत्यक्ष रूप से गिरती दिख रही है। जिस तरह से मुख्यमंत्री की सभा मे भाजपा प्रत्याशी को सभा ओर मंच से दूर रखा गया और बैनर से फ़ोटो ओर मुख्यमंत्री को पार्षदों की दी गई सूची से नाम हटाया गया। उससे साफ है कि, कमल का चिन्ह मिलने के बाद भी भाजपा नेता निर्दलीय शंकर राठौर के साथ नजर आएंगे। कांग्रेस यहां भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए मैदान में है। अगर यहां से शंकर राठौर भाजपा के लिए मैदान छोड़ते तो जरूर नतीज़ों पर कांग्रेस प्रभाव छोड़ती। कांग्रेस की ओर से लाखनसिंह चौहान राजपूत मैदान में है जो कांग्रेस के वोट बैंक के साथ-साथ भाजपा की फुट का फायदा उठाना चाहेगे। कुल चार प्रत्याशीयो में पंकज लोहार भी मैदान में है जो इसी वार्ड से आते है और सभी प्रत्याशीयो की वोट कटिंग करके उनको नुकसान पहुँचा सकते है। वार्ड में भाजपा, गौतम गेहलोत और पूर्व पार्षद की साख दाव पर है और गौतम इस वार्ड में ताकत से मैदान में नही उतरे तो निर्दलीय पूर्व पार्षद की जीत तय है। इस वार्ड के नतीज़ों के लिए हर कोई बेसब्री से इंतज़ार में है क्योंकि इस वार्ड के नतीजे कई नेताओं के भविष्य भी तय करने वाला है, क्योंकि वार्ड 6 के कारण खुद मुख्यमंत्री को हसीं का पात्र बनकर नारेबाजी का सामना करना पड़ा था।

खिलाड़ी खेलेगा खेल, अध्यक्ष पद की लालसा और भाजपा की फुट ही हरा सकती है वार्ड 7

पेटलावद के चार अजजा वार्ड में से एक मात्र वार्ड है, जिसमे से पूर्व पार्षद का टिकिट काटा गया। अजजा महिला के लिए आरक्षित वार्ड में यह वार्ड अध्यक्ष पद का माना जा रहा है और सबसे ऊपर इस वार्ड के प्रत्याशी का नाम होने के कारण भाजपा में गुटीय राजनीति देखने को मिली और मुख्य दावेदार योगेश गामड़ की टिकिट काटने की भरचक कोशिश की, लेकिन सर्वे उनके पक्ष में गया। यहां से भाजपा ने योगेश गामड़ की पत्नी ललिता गामड़ को मैदान में उतारा है। योगेश गामड़ पिछले चुनाव में यहां से मैदान में निर्दलीय उतरे थे और भाजपा से केवल 6 वोट के अंतर से हार मिली थी। हार के बाद मैदान नही छोड़ा और लगातार वार्ड में काम करते रहे। उनकी सक्रियता और टीम को देख कर भाजपा ने उनका वार्ड भी बदलने का प्रयास किया लेकिन सफलता नही मिली। ललिता योगेश गामड़ इस वार्ड की सबसे मजबूत दावेदार है ये कहा जाये तो कोई अतिशयोक्ति नही होगी। यहां से अध्यक्ष पद की लालसा और भाजपा की खेमेबाजी वाली राजनीति ही ललिता योगेश गामड़ के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।

कांग्रेस की ओर से रत्न बाई हटिला मैदान में है। कांग्रेस का पूरा फोकस चारो एसटी वार्डो पर है जहां से अध्यक्ष की दावेदारी होनी है। ऐसे में पूरी ताकत विधायक यहां लगा रहे है और पूर्व भाजपाई पार्षद के निर्दलीय मैदान में आने से मुकाबला कड़ा होगा ये तय है। यहां 600 के लगभग मतदाताओं के बीच 4 उम्मीदवार मैदान में है। पूर्व पार्षद की पत्नी रामीबाई मौहन मैडा जिनके पीछे भी भाजपा की राजनीति सक्रिय है तो एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी के रुप मे दुर्गा मईड़ा मैदान में है।

वार्ड 8 सबसे बड़ा वार्ड, अजा वर्ग के लिए एक ही वार्ड

वार्ड 8 नगर परिषद का सबसे बड़ा वार्ड है जिसमे 2 हजार से अधिक मतदाता है। वार्ड अजा मुक्त के लिए आरक्षित है और कही न कही भाजपा का दबदबा इस वार्ड पर रहा है लेकिन हर बार इस वार्ड से चौकाने वाले परिणाम आये है। वर्तमान में पार्षद जगदीश जाटव जो भाजपा के अजा मोर्चे के जिलाध्यक्ष है, उनका टिकिट यहां से भाजपा ने काट दिया। इस वार्ड की कहानी कुछ अलग है। वार्ड में जगदीश जाटव चुनाव जीते उसके बाद उनको भाजपा ने टिकिट दी तो वकील राजेश यादव यहां से निर्दलीय मैदान में उतर कर चुनाव जीत गए। अलगे चुनाव में भाजपा ने फिर जगदीश जाटव को टिकिट दिया ओर इस बार भाजपा के टिकिट पर जीत गये लेकिन इस बार नगर परिषद की भारी फजियत के चलते जगदीश जाटव का नाम कट गया और पूर्व पार्षद वकील राजेश यादव को प्रत्याशी के रूप में भाजपा ने मैदान में उतारा। टिकिट को लेकर पूर्व पार्षद का विरोध रहा और टिकिट कटने पर दूसरे तीन नाम उन्होंने दिए जिनको दरकिनार कर पार्टी ने वकील यादव को टिकिट दिया। वर्तमान राजनीति में भाजपा से दूरी के कारण भाजपा प्रत्याशी को मेहनत करनी पड़ रही है। आपसी फूट के चलते इतने बड़े वार्ड में भाजपा के कार्यकर्ता नदारत है।

कांग्रेस की और से गोपाल परमार मैदान में उतरे है लेकिन उनके लिए न तो कांग्रेस मेहनत कर रही है न ही उनके पास कोई भारी भरकम वोट बैंक है जिसके दम पर मैदान में टिक सके। यहां भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनोती निर्दलीय प्रत्याशी ममता धानक है जो एमए, एलएलबी है सबसे शिक्षित प्रत्याशी है और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नोकरी से त्यागपत्र देकर मैदान में उतरी है। ममता धानक के साथ सिर्वी समाज का बड़ा वोट बैंक जा सकता है। वही आंगनवाडी कार्यकर्ता होने के कारण वार्ड के एक-एक घर से परिचित है। भाजपा से टिकिट की कोशिश नाकाम रहने के बाद निर्दलीय मैदान में उतर कर अभी सबसे बड़ी चुनोती बनी हुई है।

पार्षद जगदीश जाटव के पारिवारिक सदस्य बालकृष्ण जाटव मैदान में निर्दलीय उतर गए है और चौराहे की चर्चा आम है कि, उनको जगदीश जाटव का पूरा समर्थन प्राप्त है। अजा मोर्चे के जिलाध्यक्ष होने के बाद भी संगठन ने इनको दूसरे वार्ड में प्रभारी बना कर भेज दिया। मलिन बस्ती, नई बस्ती वाले क्षेत्र में बड़ा नुकसान अन्य को कर सकते है या यूं कहें कि इनकी मौजूदगी ने ही दूसरों को मैदान में बना रखा है। कुल 5 प्रत्याशियो में राधेश्याम परमार भी मैदान में है जो ज्यादा चर्चा में नही है और किसको नुकसान पहुँचाएगे कहा नही जा सकता। भाजपा और कांग्रेस को ये सोचना पड़ेगा कि उनकी अजा वोटो पर पकड़ आखिर क्यों कमजोर हो रही है।

वार्ड 9 में भाजपा वर्सेस भाजपा, खरगोश और कछुवे की कहानी का दोहराया जाएगा इतिहास या बदलेगी कहानी

वार्ड 9 का मुकाबला बेहत ही दिलचस्प है। इसका कारण वार्ड के मतदाताओं की संख्या जो नगर परिषद में सबसे कम 356 ही है। सबसे छोटे वार्ड में तीन भाजपा के प्रत्याशी मैदान में है वही एक भाजपा का समर्थक तो एक कांग्रेस का प्रत्याशी मैदान में है। यहाँ लड़ाई खरगोश और कछुवे की है, अर्थात निर्दलीय प्रत्याशी अनुपम भंडारी यहां दूसरे प्रत्याशीयो पर भारी पड़ रही है। वही भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य संघर्ष करते नजर आ रहे है। भाजपा ने यहाँ भाजपा नेता राकेश मांडोत को वर्तमान नगर परिषद की उपाध्यक्ष माया राजू सतोगिया के पति राजू सतोगिया की टिकिट काट कर प्रत्याशी बनाया है, जो खुद इस वार्ड के नही है। समाजिक मापदंड बैठने के फेर में पड़ी भाजपा, गवली समाज को सेट करना भूल गई ओर मंडल अध्यक्ष ने अपनी अध्यक्षी दाव पर लगा कर राकेश मांडोत का टिकिट करवा दिया। जबकि इसी वार्ड के पूर्व पार्षद रहे सुरेंद्र भंडारी ने अपने गृह वार्ड से बेटे के लिए टिकिट मांगी थी। भाजपा प्रत्याशी राकेश मांडोत इस वार्ड में अब तक सबसे कमजोर कड़ी दिख रहे है। हालांकि भाजपा यहां चुनाव लड़ रही है मतलब साफ है प्रत्याशी को जिताने के लिए भरपूर कोशिश करेगी। गवली समाज का वर्चस्व है और उपाध्यक्ष पति राजू सतोगिया मैदान में है जो बीते 5 वर्षो में जमीन पर काम करते नजर आए थे। लेकिन हर बार इस वार्ड से उनको जितवाने वाले ही इस बार मैदान में उतर गए, जिससे उनकी हालत पतली हो गई। वोटो के धुर्वीकरण के बीच कॉंग्रेस की टिकिट पर चंदू राठौर भी मैदान मे हैं जो पिछली बार इस वार्ड से 104 मत लाये थे, इस बार पिछले प्रर्दशन को दोहरा पाए तो कांग्रेस सबको चौका सकती है। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 5वे प्रत्याशी प्रतीक भट्ट है जो निर्दलीय अनुपम भंडारी के करीबी मित्र रहे है साथ ही राजू सतोगिया ने पूर्व में जीते चुनाव की टीम का महत्त्वपूर्ण हिस्सा रहे है।

वार्ड 10 में भाजपा-कांग्रेस की सीधी टक्कर, पहली बार भाजपा के पास कांग्रेस के वर्चस्व वाली सीट पर विजय होने का मौका

वार्ड 10 में भाजपा को मैदान में उतारने के लिए कोई मजबूत प्रत्याशी नही मिला, इस वार्ड में ज्यादतर कांग्रेस का प्रभाव रहा है। जब यहां भाजपा के सभी स्थानीय कार्यकर्ताओ ने कदम पीछे ले लिए तो कपड़े और जमीनों के व्यापारी विनोद (संजय) चाणोंदिया को मैदान में उतारा था। भाजपा से टिकिट नही मिलने पर भी निर्दलीय मैदान में उतरने का दावा कर चुके थे। भाजपा के लिए कभी मैदान में नजर तो नही आये लेकिन कई आयोजन की सफलता के पीछे इनका सहयोग रहा है और पर्दे के पीछे से पार्टी का सहयोग किया है। भाजपा की सदस्यता के लिए जरूरी पार्टी की महंगी से महँगी रसीद कटवा कर भाजपा से जुड़े हुए है। वार्ड 10 से चाणोदिया की टिकिट तय होते ही भाजपा के संगठन पर भारी लेन-देन का आरोप भी लगा। लेकिन यहाँ भाजपा के पास ज्यादा विकल्प नही होने के कारण संजय चाणोदिया को टिकिट दिया गया है जो जीत के लिए हर स्तर पर तैयार है।

वही कांग्रेस की और राजकुमार मुथा मैदान में है जो कि ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा के भाई है और वर्तमान में परिषद में पार्षद है। उक्त वार्ड कही न कही मुथा परिवार के कब्जे में ही रहा है। यहां ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा, वर्तमान पार्षद प्रत्याशी राजकुमार मुथा की पत्नी दो बार इसी वार्ड से पार्षद रही है। एक बार वार्ड पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण मुथा परिवार यहां से मैदान में नही उतर सका। राजकुमार मुथा कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ रहे है। लगातार जीत का मतलब यहाँ मुथा एंड कम्पनी का बड़ा वोट बैंक होगा। पूर्व की परिषद में रह कर वार्ड के लिए क्या योगदान दिया ये जरूर इस बार जनता देखेगी। क्योकि विपक्ष में इस बार ऐसा प्रतिद्वंद्वी है जो समय आने पर स्वयं के खर्चे से भी काम कर दे। ये सीट भाजपा नही बल्कि कांग्रेस के लिए चुनोती है जिसके दम पर इस बार कांग्रेस नगर परिषद में अपनी परिषद बैठने का दावा कर रही है। भाजपा-कांग्रेस के साथ युवा निर्दलीय के रूप में पीयूष जैन मैदान में जरूर है लेकिन इनको लेकर बाजार में चर्चा नही है और मुकाबला भाजपा और कांग्रेस का सीधा माना जा रहा है।

वार्ड 11 में भाजपा लहरायगी परचम, कांग्रेस के लिए उपस्थिती दर्ज करवाने का मौका

वार्ड 11 नगर का एक मात्र ऐसा वार्ड जहा भाजपा एक तरफा जीत का दावा कर सकती है। अनारक्षित महिला वार्ड में कहार समाज का बोलबाला है। यहां 625 के लगभग मतदाता है जिसमे सबसे ज्यादा 300 के लगभग कहार समाज के वोट है। यहां से वर्तमान परिषद की पार्षद किरण सजंय कहार को भाजपा ने दोबारा मैदान में उतारा है। संजय कहार वर्तमान में भाजपा पेटलावद मण्डल में महामंत्री है और लगातार इस वार्ड से नगर परिषद में प्रतिनिधित्व करते आ रहे है। नगर परिषद में वार्ड 11 और 14 दो ही वार्ड ऐसे है जहा कोई निर्दलीय मैदान में नही है। यहां भाजपा अपनी जीत तय मान कर चल रही है क्योंकि कांग्रेस ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए ही प्रत्याशी मैदान में उतारा है। कांग्रेस की और से अर्चना मुकेश सोलंकी मैदान में है जिनको नामांकन के अंतिम दिन फार्म खिंचवा कर वार्ड को निर्विरोध करवाने की कोशिश भाजपा की नाकाम रही।

शेष पृष्ठ क्रमांक 3 पर देखें....

अपरिपक्व राजनीति की भेंट चढ़ी मुख्यमंत्री की सभा, पुराने घोषणा का रिन्यूअल कर गए मुख्यमंत्री, पार्षदों को सभा से हुआ नुकसान

बागियों पर कार्रवाई नहीं होने से कार्यकर्ता में असमंजस की स्थिति बनी, बागी का खुलकर कर रहे प्रचार, वार्ड प्रभारी भी नहीं बने

माही की गूंज, पेटलावद।

सोमवार को नगर में आयोजित मुख्यमंत्री की चुनावी सभा में भाजपा के लेने के देने पड़ गए। मुख्यमंत्री भाजपा का माहौल बनाने पहुँचे थे लेकिन अपरिपक्व राजनीतिक व्यवस्थाओ के चलते पूरा दौरा खराब हो गया। भाजपा का वोट बैंक बढ़ने की जगह ओर कम हो गया, ऐसा दिखता नजर आया। मुख्यमंत्री के हेलीपेड से सभा स्थल पर मंच तक पहुँचने की व्यवस्था में और मंच की तैयारी में भारी लापरवाही की गई। भाजपा के संगठन की किरकिरी, व्यवस्था में लगे भाजपा नेताओं ने करवा दी।

पुरानी घोषणा को कर गए रिन्यूअल, नगर के मुख्य मुद्दों से रहे दूर

मुख्यमंत्री ने चुनावी सभा में पेटलावद नगर के लिए कई घोषणाएं की, जिन्हें ज्यादातर आज से पाँच वर्ष पूर्व की चुनावी सभा ओर भाजपा के घोषणा पत्र में थी जो पूरी नही हो सकी। उन्ही योजनाओं को नए कलेवर में मामाजी फिर से नगर की जनता के सामने रख गए। वही मंच पर बैठे नेता और सैलाना से मुख्यमंत्री के साथ आए सांसद गुमानसिंह डामोर भी मुख्यमंत्री को स्थानीय मुद्दों से परिचित नही करवा पाए और मंच पर पहुँची ज्यादातर मांगे नगर की नही होकर क्षेत्र से जुड़ी थी, जिनका कोई प्रभाव जनता पर नही पड़ा।

वार्ड नम्बर 6 को लेकर जिला संगठन ने मुख्यमंत्री को किया गुमराह, हंसी के पात्र बने मुख्यमंत्री, लोगो ने टिकिट बेचने को लेकर की नारे बाज़ी

सभा मे अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर परिषद के सभी 15 वार्डो के भाजपा प्रत्याशियो के पक्ष में मतदान करने के लिए अपील शुरू करते हुए वार्ड वार प्रत्याशीयो के नाम लेना शुरू किए। इस दौरान सूची में गायब वार्ड नंबर 6 के प्रत्याशी का नाम नही आने पर मुख्यमंत्री ने मंच पर बैठे नेताओ से वार्ड नम्बर 6 की जानकारी चाही। जैसे ही मुख्यमंत्री वार्ड नम्बर 6 पर अटके सभा मे मौजूद लोगों ने नारे बाज़ी शुरू करते हए भाजपा नेताओं पर टिकिट बेचने और गड़बड़ करने का आरोप लगाते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। मंच पर बैठे जिले के प्रभारी हरिनारायण यादव ने जैसे-तैसे मौके को संभाला। पूरे घटनाक्रम के दौरान मुख्यमंत्री चौहान हसीं का पात्र बन गए और लोगो ने उनकी खूब खिल्ली उड़ाते हुए पूछा, मामा जी वार्ड नंबर 6 में वोट देना है कि नही ये बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री जाने से पहले हेलीपेड पर इस मामले को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक से बुरी तरह नाराज़ दिखे। जो भी हो भाजपा के संगठन के घटिया मैनेजमेंट के चलते संगठन मुख्यमंत्री की सभा मे कई बार किरकिरी हुई। वार्ड नम्बर 6 के प्रत्याशी का नाम और फ़ोटो नही होने के मामले में भाजपा के नेता दिनभर किसी भी बयानबाज़ी से बचते रहे और सभा स्थल पर आए प्रत्याशी को रवाना कर दिया। वही निर्दलीय प्रत्याशी को भी नेताओ ने मंच से दूर रख कर स्थित गंभीर कर दी।

स्वागत ओर मंच पर बैठने के लिए लगी बहारी नेताओ की होड़

नगर परिषद के चुनावों के लेकर स्थानीय संगठन कितना गम्भीर है इसका पता इससे चलता है कि, मुख्यमंत्री की सभा के मंच पर जहा चुनाव के चलते स्थानीय नेताओ ओर पार्टी के पक्ष में नामांकन वापस लेने वालों को बैठने का मौका देकर भाजपा का माहौल बना सकते थे। उसके उलट भाजपा के बहारी नेता और पदाधिकारी मंच को घेर कर बैठ गए और स्वागत में भी स्थानीय नेताओं ओर छोटे कार्यकर्ताओ को तव्वजो देने बजाए जिले भर के पदाधिकारियों से स्वागत करवाया गया। जिससे पार्टी के लिए समर्पण करने वाले नेता नाराज़ दिखे।

व्यवस्थाओ से नाराज़ रहे मुख्यमंत्री

हेलीपैड से मंच तक पहुँचने की प्रशासन की व्यवस्था से भी मुख्यमंत्री नाराज़ दिखे। हेलीपेड स्थल पर कोई भी आसानी से आता-जाता देखा गया। मुख्यमंत्री के पहुँचने से पहले उनको मंच तक ले जाने वाला वाहन तक तैयार नही था और एक के बाद एक तीन वाहनों को बदला गया तब जाकर मंच तक पहुँचने का वाहन तैयार हुआ। मुख्यमंत्री ने चुनावी सभा से ज्यादा भाजपा नेता और प्रशासन, किसान के विरोधी प्रदर्शन, कांग्रेस के प्रदर्शन को रोकने में जुटा रहा है और सभा स्थल तक पहुँचने से पहले के सारे रास्तों को बन्द कर पुलिस तैनात कर दी। किसान संगठन के मुख्य पदाधिकारी को थाने पर बिठाकर रोका गया और उनको फोन पर बात तक नही करने दी और उनकी सीधे मुलाकात मुख्यमंत्री से करवा कर मांग पत्र दिलवाया गया। पूरे दौरे पर कही पर भी मुख्यमंत्री चुनावी मोड़ पर नजर नही आये और इस दौरे के बाद भाजपा के प्रत्याशीयो के वोट बैंक में गिरावट आने की सम्भवना बन गई।

बागियों पर कार्रवाई नही होने से भाजपा कार्यकर्ता खुल कर बागियों के साथ कर रहे प्रचार

भाजपा का चुनाव मैनेजमेंट इस बार इतना कमजोर है कि, अधिकांश वार्डो में चुनोती बने भाजपा के बागियों को पार्टी निष्काशन की कार्रवाई नही कर पाई। जिसके चलते कार्यकर्ता भी अब खुल कर बागियों के साथ प्रचार-प्रसार कर रहे है। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं को पूरी तरह से फ्री कर दिया। वही निष्काशन नही होने से कारण निर्दलीय पूरी ताकत से मैदान है। वही भाजपा के स्थानीय संगठन में अभी तक कई वार्डो में प्रभारी नही बनाये और जिनको काम सौंपा वो घर बैठे-बैठे प्रचार कर रहे है। नगर के 15 वार्डो में भाजपा की कई वार्डो में इस बार कड़ी टक्कर है और पिछली परिषद की कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार के कारण लोग भाजपा से नाराज़ है।

घोषणा पत्र का इंतजार, भाजपा-कांग्रेस दोनों नदारद

इस बार का चुनाव वार्डो में सिमटा है जिससे भाजपा और कांग्रेस की राजनीति भी वार्डो में सिमट गई। वार्ड के प्रत्याशी खुद के घोषणा पत्र नही ला पाए और पार्टी के घोषणा पत्र का इंतजार कर रहे है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपना-अपना घोषणा पत्र आम जनता तक नही पहुँचा सकी है। कुल मिलाकर इस बार का चुनाव जनता के मुद्दों पर नही केवल उपस्थित दर्ज कराने के लिए लड़ा जा रहा है। राजनीतिक मैनेजमेंट की कमी के कारण हर वार्ड में प्रत्याशी अपने दम पर मैदान में है।

मुख्यमंत्री जनसंवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, करवड़।

ग्राम पंचायत करवड और गंगाखेड़ी मे मुख्यमंत्री जनसंवाद का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरपंच विकास बाबूलाल गामड़ के द्वारा महात्मा गांधी को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। जिसके पश्चात मुख्यमंत्री जनसंवाद का कार्यक्रम शुरू किया। जिसमें उपसरपंच राजेश पाटीदार, सचिव आशीष बैरागी, नोडल अधिकारी उपयंत्री लोकेंद्र सिंह सोलंकी, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर श्रीमती शीला हरवाल, पशु वेटरनरी बसंतीलाल राठौर, पटवारी ईश्वरलाल पाटीदार, राजस्व विभाग एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम गंगाखेड़ी में भी मुख्यमंत्री जनसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें गंगाखेड़ी सरपंच कालीबाई जितेंद्र सोलंकी, उपसरपंच शैलेंद्र सिंह राठौर, सचिव मोतीलाल डाबी, रोजगार सहायक भैरूलाल, कैलाश चंद्र गजरिया, उर्मिला खटीक, नितिन खेर, बालकृष्ण पटेल एवं गांव के वरिष्ठ जन एवं आसपास गांव के लोग उपस्थित हो कर शिविर में अपनी समस्या रख कर निराकरण करवाया।

नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों पर रख रही नजर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आगामी समय में होनें वाले नगर पालिका चुनाव शांतिपूर्ण, भयमुक्त, पारदर्शी एवं निर्विघ्न संपन्न कराये जानें के उद्देश्य से मतदान पूर्व भयमुक्त वातावरण निर्मित करनें हेतु लगातार असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाही एवं मतदान केन्द्रों पर मतदान पूर्व भ्रमण के लिये निर्देशित किया गया है।

नगर पालिका चुनाव शांतिपूर्ण करानें जानें के उद्देश्य से अलीराजपुर पुलिस द्वारा लगातार असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही की जा रही है। विगत 15 दिनों में 399 असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक धारा 107/116 जाफौ, 151 जाफौ एवं 110 जाफौ के तहत असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही की जाकर, चुनाव में शांतिभंग करने की आशंका वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर अंतरिम बाउण्ड औव्हर पश्चात अंतिम बाउण्ड औव्हर की कार्यवाही की जा रही है। अंतिम बाउण्ड औव्हर की शर्तों के उल्लंघन करने पर संबंधित के विरूद्ध धारा 122 जाफौ की कार्यवाही कर जेल दाखिल की कार्यवाही भी की जाएगी। संपूर्ण जिलें में गुण्डा/निगरानी बदमाशों की लगातार उनके निवास पर जाकर चैकिंग की कार्यवाही की जा रही है तथा उनकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। जिले में अबतक करीबन 50 से अधिक गुण्डा/निगरानी बदमाशों की चैकिंग की कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने नगर पालिका चुनाव शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्नरूप से संपन्न करानें के लिये मुश्तैदी के साथ चुनाव आयोग के द्वारा दिये गये निर्देशों का कढाई से पालन करवाते हुये मतदान प्रक्रिया सम्पन्न करानें हेतु निर्देशित किया है। सभी के समन्वय से अलीराजपुर पुलिस का प्रयास है, कि भयमुक्त वातावरण में चुनाव सम्पन्न कराये जायें। साथही पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि असामाजिक तत्वों की हर गतिविधि पर नजर रखनें हेतु संपूर्ण जिलें में चैकिंग अभियान चलाया हुआ है, जो आगे भी जारी रहेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के शिविरो का निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल ने बुधवार को विकासखंड पाटी के ग्राम रोसर, सेमली, सांवरियापानी, उबादगढ़ एवं देरवलिया में लगे मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि, मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित करना है। अतः अधिक से अधिक ग्रामीणजन इन शिविरों में आकर शासन की योजनाओं का लाभ ले।

पृष्ट क्रमांक 2 का शेष...

नगर परिषद के लिए घमासन, भाजपा वर्सेस भाजपा 'बी' के बीच उलझा चुनाव

वार्ड 12 भाजपा की सीट को बागी ने बनाया मुश्किल

वार्ड 12 में भाजपा का परचम रहता है यहां लगभग 650 मतदाता है और वार्ड अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित किया गया है। यहां से वार्ड में ज्यादातर मतदाता एक मत होकर ही मतदान करते है। यहां से भाजपा ने अपने पार्षद अशोक शर्मा का टिकिट काट कर रेखा प्रदीप पटवा को दिया है और वार्ड में अच्छा खासा माहौल भी इनका है। लेकिन प्रदीप पटवा के खास मित्र और चार बार इस वार्ड से पार्षद रह चुके इनके मैदान में उतरने से भाजपा का मुकाबला कड़ा हो गया है। लाख प्रयास के बाद भी आज़ाद गुगलिया ने कदम पीछे नही लिए। कांग्रेस की और से जुली अंगुरबाला परमार मैदान में है वो कितना नुकसान भाजपा को कर पाती है ये देखना है।

वार्ड 13 में सबसे ज्यादा 6 उम्मीदवार, कांग्रेस ने चार में से दो वार्ड में पुरुष प्रत्याशी को मैदान में उतार कर पैर पर मारी कुल्हाड़ी

वार्ड 13 अजजा मुक्त वार्ड है नगर परिषद के कुल 15 वार्डो में सबसे अधिक 6 प्रत्याशी इसी वार्ड में मैदान में है। वार्ड में लगभग 800 मतदाता है जिसमे मुस्लिम वोटों की संख्या अच्छी खासी है जो कि कांग्रेस के प्रभाव में है। भाजपा ने यहां से जमना भुरालाल को मैदान में उतारा है। भाजपा चाहती तो यहां से पुरूष को मैदान में उतार सकती थी लेकिन अध्यक्ष महिला पद होने के चलते किसी प्रकार की रिस्क नही लेना चाहती थी। वही कांग्रेस ने पैर पर कुल्हाड़ी मारते हुए यहां से वार्ड क्रमांक 3 के निवासी नंदू गरवाल को यहा से प्रत्याशी के रूप में उतारा। अब कांग्रेस की परिषद के लिए पर्याप्त पार्षद जीत जाते है तो उन्हें अध्यक्ष के लिए वार्ड क्रमांक 7 ओर 15 में किसी एक में जीत दर्ज करनी होगी ही होगी। वार्ड में मुस्लिम बाहुल्य की बस्ती का बड़ा हिस्सा लगता है जो कि कांग्रेस के खेमे में जा सकता है। यहां से चार अन्य प्रत्याशी दीपिका प्रकाश भाभर, हेमलता भूरिया, राहुल चरपोटा और रंजना मैड़ा निर्दलीय मैदान में है। यहां कांग्रेस का एक बड़ा खेमा तोन निर्दलीय महिला प्रत्याशियो में से एक को जिताने में लगा हुआ है। भाजपा के लिए इस वार्ड में जितना भी किसी चुनोती से कम नही, लेकिन ज्यादा प्रत्याशीयो के मैदान में उतरने के कारण मुकाबला कड़ा हो गया है।

वार्ड 14 में दोनों पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता मैदान में, काम के दम पर जीत के दावे

यहां भाजपा अगर वार्ड 11 के बाद किसी वार्ड में जीत के लिए आश्वश्त है तो वह है वार्ड 14, वार्ड में कुल 800 मतदाता है और भाजपा-कांग्रेस का सीधा मुकाबला है। भाजपा की ओर से सुनील (शिवा) राठौर की पत्नी हंसा राठौर मैदान में है। वही कांग्रेस की ओर से उसके जमीनी कार्यकर्ता जावेद लोधी की पत्नी शहजादी लोधी को टिकिट दिया है। यहां कांग्रेस विधायक खुद वार्ड में प्रचार कर जनता से खुद के दम पर विकास का दावा कर रहे है। कांग्रेस का वोट बैंक यहां है तो सही, लेकिन भाजपा से पार पा ले इसके लिए कांग्रेस का बड़ा उलट-फेर करना पड़ेगा।

वार्ड 15 में अध्यक्ष की दावेदारी के लिए कांग्रेस की नजर, गुटीय राजनीति में भाजपा का एक धड़ा यहीं से चाहता है अध्यक्ष

वार्ड 15 तलावपाडा के नाम से अजजा का है और वार्ड वर्तमान में महिला अजजा के लिए आरक्षित है। यहां कुल 588 मतदाताओं के बीच भाजपा-कांग्रेस के साथ एक निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में है। भाजपा ने यहां से भाजपा की पूर्व पार्षद रही राजूबाई कटारा को मैदान में उतारा है। भाजपा का एक धड़ा चाहता है कि, राजुबाई अध्यक्ष बने तो कांग्रेस के पास ये ही वार्ड है जिसमे से वो अध्यक्ष पद की दावेदार को जीताने की कोशिश करते दिखेंगे। यहाँ कांग्रेस की और से हतूड़ी नानाजी भाभर को मैदान में उतारा है। वार्ड में आदिवासी वोटो के बीच निर्दलीय चंदा राजू मैडा भी मैदान में है जिसको नगर के ही कुछ नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। यहां रोचक मुकाबला है और तीनों में से कौन जीत जाए ये कहा नही जा सकता।

नदियों के तटीय क्षेत्रों को साफ-सफाई कर प्लास्टिक मुक्त करने के लिए निकाली रैली

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन की एनसीसी इकाई (सीनियर डिवीजन) द्वारा बुधवार को सेवा पखवाड़ा अंतर्गत पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया। अभियान अंतर्गत प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेली में एनसीसी कैडेट्स ने उत्साह से भाग लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य नदी के तटीय क्षेत्रों की साफ-सफाई एवं उन्हें प्लास्टिक मुक्त बनाना है। रैली में हमने यह ठाना है भारत को स्वच्छ बनाना है, स्वच्छ भारत अभियान के नारे लगाए गए। पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत जागरूकता व्याख्यान आदि कार्यक्रमों का आयोजन कर अभियान का प्रारंभ किया गया। प्रो. महेश गुप्ता ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स द्वारा किया गया कार्य अत्यंत सराहनीय है। सभी जनमानस को इससे प्रेरणा लेकर इस अभियान में सहयोग करना चाहिए। अभियान के तहत निकाली गई रैली का संचालन एनसीसी केयरटेकर प्रो. गिरी शिव ने किया ,और मार्गदर्शन पूर्व केयरटेकर डॉ. ओएस मेहता ने किया। रैली एवं व्याख्या आदि में डॉ. सुरेश अवासे, डॉ आरएस चौहान, डॉ. दीपक ठाकुर, डॉ. सोनू वर्मा, सीनियर केडेट्स शिवम पटेल, अनिल डावर, राम सिंह मेहता आदि का विशेष सहयोग रहा।

कौन होगा कांग्रेस का नया अध्यक्ष...? आज जारी होगी अधिसूचना

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष चुनाव को लेकर नेताओं की ओर से जोर आजमाइश शुरू हो गई है। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अब तक तीन नेताओं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सांसद शशि थरूर और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नाम उभरकर सामने आया है। तमाम कयासों के बीच बुधवार को अशोक गहलोत ने 10 जनपथ में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस बीच सोनिया गांधी ने भी साफ कर दिया है कि चुनाव में उनकी क्या भूमिका होने वाली है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अशोक गहलोत से मुलाकात के दौरान सोनिया गांधी ने अपना पक्ष साफ करते हुए कहा कि, वह पार्टी के अगले अध्यक्ष के लिए आगामी चुनाव में किसी का पक्ष नहीं लेंगी। कहा जाता है कि, उन्होंने कांग्रेस सांसद शशि थरूर से भी यही बात कही थी, जब वह पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पर चर्चा करने के लिए दो दिन पहले उनसे मिले थे।

भारत जोड़ो यात्रा में हो सकते हैं शामिल

हालांकि, अशोक गहलोत कांग्रेस के लोगों को विश्वास प्यार और विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद किया है। गहलोत ने कहा कि, वह पार्टी के सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पार्टी की जिम्मेदारी संभालने के लिए उन्हें मनाने का एक आखिरी प्रयास करेंगे। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद अशोक गहलोत किसी भी वक्त दिल्ली से मुंबई के लिए उड़ान भर सकते हैं। इसके बाद गुरुवार सुबह मुंबई से कोच्चि पहुंचेंगे और 'भारत जोड़ो यात्रा' में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ शामिल होने की उम्मीद है।

संपादकीय

दुर्भाग्यपूणः छात्राओं की निजता व गरिमा की रक्षा सुनिश्चित करना रूरी

चंडीगढ़ के निकट स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के परिसर में गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं की निजता से जुड़े वीडियो शूट करके प्रसारित करना एक गंभीर मामला है। छात्राओं के आक्रोश के बाद मामले में लीपापोती करने की कोशिश में लगे विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच पुलिस को सौंप दी है लेकिन इस मामले की तह तक पहुंचने की जरूरत है। उम्मीद है कि, उच्च महिला पुलिस अधिकारियों की देखरेख में बनी एसआईटी गहन जांच से हकीकत सामने लाने में सक्षम हो सकेगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम इस मामले की तह तक जाने की अविलंब आवश्यकता बताता है। आखिर क्यों गर्ल्स हॉस्टल में ऐसी पुख्ता सुरक्षा नहीं की गई कि कोई आसानी से छात्राओं के निजी पलों का वीडियो बनकर प्रसारित न कर सके। दरअसल, मोबाइल व इलेक्ट्रानिक उपकरणों के बढ़ते प्रचलन के बावजूद गोपनीयता से जुड़े कानूनों के बारे में पर्याप्त जागरूकता पैदा नहीं की जा सकी है। लोग इन सुविधा के उपकरणों के दुरुपयोग रोकने के उपायों के लिये मदद लेने के प्रति भी उदासीन ही रहते हैं। वहीं सवाल यह भी है कि, इंटरनेट के बढ़ते संजाल के चलते होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने में पुलिस की भूमिका और अपराधों पर नियंत्रण की तुरंत कार्रवाई तथा कठोर दंड को लेकर लोगों में भरोसा कायम क्यों नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से पीड़ित पक्ष भय व शर्म के चलते घबरा जाता है और पुलिस की मदद लेने में कतराता है। दरअसल, इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये संवेदनशील, प्रशिक्षित और आधुनिक साधनों से सुसज्जित अलग सुरक्षाबल की जरूरत महसूस की जाती रही है। तेजी से बढ़ते ऐसे अपराधों पर नियंत्रण के लिये तत्काल कदम उठाये जाने की जरूरत है। यह प्रकरण तमाम शिक्षण संस्थानों के लिये चेतावनी है कि भविष्य में किसी भी ऐसी घटना पर अंकुश लगाने कि लिये विशेषज्ञों की सहायता से कड़े प्रोटोकॉल लागू किये जायें। केवल कागजी खानापूर्ति से काम चलने वाला नहीं है। शिक्षण संस्थाओं के अधिकारियों को ऐसे मामलों से निबटने में सक्षम बनाना होगा।

दरअसल, शिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों को सुनिश्चित करना होगा कि आधुनिक तकनीकों व उपकरणों के माध्यम में छात्राओं के व्यावहारिक जीवन को बदरंग न बनाया जा सके। गोपनीयता का हनन, साइबर अपराधों व तकनीकी दुरुपयोग के मामलों को सख्त कानून बनाकर नियंत्रित करने की अविलंब कोशिश की जानी होगी। साथ ही युवाओं में जागरूकता लाने के लिये व्यापक स्तर पर बचाव के उपायों का प्रचार-प्रसार करना होगा। सवाल शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन को लेकर भी है कि मोटी फीस लेने के बावजूद हॉस्टलों में छात्राओं की निजता व गरिमा की सुरक्षा क्यों सुनिश्चित नहीं की जाती। उनके लिये यह घटना चेतावनी है कि वे छात्राओं की तमाम आशंकाओं को दूर करना सुनिश्चित करें। निःसंदेह, असुरक्षित परिसर छात्राओं के सम्मान व जीवन से खिलवाड़ का मौका देते हैं। इस घटना में महज शिक्षण संस्थान की छात्रा की भूमिका ही नहीं थी, बाहर के लोग भी इस षड्यंत्र से जुड़े थे। दो बाहरी लोगों की गिरफ्तारी से बहुत संभव है कि किसी बड़ी साजिश की पोल इस घटना के बाद खुले। सवाल उस साजिश में शामिल छात्रा के विवेक पर भी है कि वह किस लालच में अपने सहपाठियों के साथ इस घृणित कृत्य को अंजाम देने को तैयार हुई। उम्मीद है कि मामले की पुलिस, एसआईटी व फोरेंसिक जांच सच को सामने लाने में कामयाब होगी। पर्दे के पीछे छिपे लोगों को बेनकाब करना भी जरूरी है। साथ ही दोषियों को सख्त सजा सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि असुरक्षित स्थलों का दुरुपयोग रोका जा सके। छात्राओं को ऐसी घटनाओं के प्रति जागरूक करने की भी जरूरत है। सवाल उन युवाओं का भी है जो इंटरनेट पर परोसी जा रही अश्लीलता के भयावह दलदल में धंसते जा रहे हैं। नई पीढ़ी को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने की दिशा में देशव्यापी मुहिम चलाने की जरूरत है। ताकि आधुनिक तकनीक के खतरों व संयमित व्यवहार में सामंजस्य स्थापित किया जा सके। वहीं छात्राओं को ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए सामाजिक प्रशिक्षण दिये जाने की जरूरत भी है।

विकास के लिए शोध और नवाचार का बजट बढ़े

हाल ही में 16 सितंबर को उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में कहा गया कि भारत प्रत्येक क्षेत्र में शोध और नवाचार (रिसर्च एवं इनोवेशन) का समर्थन करते हुए अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वर्ष 2022 में भारत की अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी वृद्धि करने की आशा है जो विश्व की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी। यह भी कहा गया कि आज भारत में 70,000 से अधिक स्टार्ट-अप हैं, जिनमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। ऐसे में भारत शोध और नवाचार को और अधिक प्रोत्साहन देते हुए देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास को नई रफ्तार देने की राह पर आगे बढ़ रहा है।

पिछले सात-आठ वर्षों से स्थितियां भारत को अनुसंधान और नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में लगातार समर्थन देते हुए दिखाई दे रही हैं। वर्ष 2014 के बाद से विज्ञान और नवाचार पर निवेश बढ़ा है। यही कारण है कि भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में इस समय 46वें स्थान पर है, जो 2015 में 81वें स्थान पर था। इस समय जब भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है तब भारत के विज्ञान और नवाचार की अहम भूमिका से विकास की आस पूरी होगी। सरकार ने देश को 25 वर्ष बाद 2047 तक विकसित देश बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के मद्देनजर शोध और नवाचार की भूमिका को अब अधिक अहम एवं प्रभावी बनाए जाने का संकेत दिया है।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में शोध, नवाचार और तकनीकी विकास के परिप्रेक्ष्य में भारत लगातार आगे बढ़ा है। शोध एवं नवाचार के कारण बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, डिजिटल, प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। नए वैश्विक ग्लोबल इंडेक्स के तहत भारत में कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता और दिवालियापन की समस्या को हल करने में आसानी जैसे संकेतकों में अच्छे सुधार किए गये हैं। साथ ही भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था, घरेलू कारोबार में सरलता, स्टार्टअप, विदेशी निवेश, जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है।

निःसंदेह कोविड-19 भारत में नए चिकित्सकीय शोध और नवाचार को बढ़ावा देने का भी एक अवसर बना है। जब फरवरी-मार्च, 2020 में देश में कोरोना संक्रमण की पहली लहर शुरू हुई थी, तब देश में कोरोना की रोकथाम के लिए कोरोना वैक्सीन से संबंधित शोध और उत्पादन के विचार आने शुरू हुए थे। सामान्य तौर पर किसी बीमारी का टीका बनाने में कई वर्ष लगते हैं, लेकिन भारत में कोरोना वायरस की चुनौती के मद्देनजर कुछ महीनों के अंदर कोरोना के टीका बनाने का कठिन लक्ष्य पूरा किया गया। इतना ही नहीं, देश में अगस्त, 2022 तक 200 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। यहां कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में भी कृषि संबंधी शोध और नवाचार की प्रभावी भूमिका है। देश में कृषि शोध से जुड़ी सौ से अधिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, 75 कृषि विश्वविद्यालयों और इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीआर) के 20 हजार से अधिक वैज्ञानिकों के समर्पित शोध कार्य, प्री एंड पोस्ट हार्वेस्टिंग मैनेजमेंट, कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते निजी निवेश, 731 कृषि विज्ञान केंद्रों से मुफ्त बीजों का वितरण, सीड टेक्नोलॉजी में फसलों की जीनोम एडिटिंग की अनुमति, कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिए जाने से कृषि क्षेत्र में विकास का नया अध्याय तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि भारत को विकसित देश बनाने के लिए शोध एवं नवाचार में कितना आगे बढ़ना होगा, तो हमारे सामने दुनिया के 38 विकसित देशों का आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) दिखाई देता है। इस समूह के सभी देशों ने अपने-अपने देश में आर्थिक विकास को ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए शोध और विकास (आरएंडडी) की भूमिका को प्रभावी बनाया है। इस समय यूरोपीय संघ में आर एंड डी पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 2 प्रतिशत, अमेरिका और जापान में करीब 3 फीसदी और दक्षिण कोरिया में करीब 4.5 फीसदी व्यय किया जाता है। जहां दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर एंड डी पर खर्च निरंतर तेजी से बढ़ा है। वहीं भारत में आर एंड डी पर करीब 0.67 प्रतिशत ही व्यय हो रहा है।

यदि हम आर एंड डी की दृष्टि से देखें तो आज भारत उसी मुकाम पर खड़ा है, जहां 60-70 वर्ष पहले अमेरिका था। यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका ने आर एंड डी पर तेजी से अधिक खर्च करके सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, दवाओं, अंतरिक्ष अन्वेषण, ऊर्जा और अन्य तमाम क्षेत्रों में द्रुत गति से आगे बढ़कर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनने का अध्याय लिखा है। ऐसे में भारत को भी आर एंड डी की ऐसी सुविचारित रणनीति पर आगे बढ़ना होगा, जिसके तहत सरकार, निजी क्षेत्र और शोध संस्थानों के बीच सहजीविता और समन्वय के सूत्र आगे बढ़ाए जा सकें। सरकार को आर एंड डी पर देश की कुल जीडीपी का कोई दो फीसद तक खर्च किया जाना सुनिश्चित करना उपयुक्त होगा। इसके साथ ही आर एंड डी में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ाई जानी होगी। आर एंड डी की राशि को केवल सरकारी शोध प्रयोगशालाओं तक ही सीमित न करके बुनियादी एवं अनुप्रयुक्त शोध के लिए व्यापक आधार तैयार करने पर भी खर्च किया जाना होगा। बड़ी कंपनियों के लिए अपने लाभ का एक उपयुक्त हिस्सा आर एंड डी पर व्यय करना सुनिश्चित करना होगा।

जयंतीलाल भंडारी

यह भी महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों का पुनर्गठन किया जाना होगा। मिशन-आधारित उपक्रम बनाए जाने होंगे, डीआरडीओ और अंतरिक्ष आयोग जैसे मिशन-केंद्रित अनुसंधान संस्थानों का निजी क्षेत्र के साथ बेहतर जुड़ाव किया जाना होगा। देश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों में उच्च शोध और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना होगा। जलवायु परिवर्तन और जैव-अर्थव्यवस्था जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के साथ ही नैनो-टेक्नोलॉजी और एआई जैसे दीर्घकालिक अवसरों को मुट्ठी में लेने के लिए नए मिशन-केंद्रित कार्यक्रमों पर ध्यान दिया जाना होगा। चिप डिजाइन और फार्मा जैसे उत्पादों में आर एंड डी की और अधिक दखल जरूरी होगी।

हम उम्मीद करें कि, सरकार दुनिया के विभिन्न विकसित देशों की तरह भारत में भी शोध एवं नवाचार पर जीडीपी की दो फीसदी से अधिक धनराशि व्यय करने की डगर पर आगे बढ़ेगी। ऐसे में 2047 में आजादी के सौ वर्ष पूरा करने के ऐतिहासिक अवसर पर भारत आर्थिक रूप से शक्तिशाली और विकसित भारत बनने के सपने को भी साकार करते हुए दिखाई दे सकेगा।

तकनीक के त्रास में ई-उपवास से आस

मोबाइलों के लत में बदल जाने से आजिज आम लोगों के कुछ घंटों या दिनों के लिए उनसे दूरी बरतने के प्रयोगों की विदेशों से आई खबरें हम अरसे से पढ़ते व सुनते आये हैं। कई विकसित देशों के बारे में तो कहते हैं कि उनके नागरिकों का बड़ा हिस्सा इस बात से लगातार चिढ़ा रहता है कि मोबाइलों के कारण उसकी न कोई निजता रह गई है और न एकांत क्योंकि मोबाइलों की पहुंच उनके बेडरूमों और बाथरूमों तक हो गई है। अमेरिका के बारे में एक सर्वे का निष्कर्ष है कि उसके अनेक नागरिक मोबाइलों को सर्वाधिक अवांछनीय चीजों में शुमार करने लगे हैं-भले ही उन्हें उनसे छुटकारा पाने के जतन न सूझते हों।

लेकिन अब, संचार क्रांति से अभिभूत अपना देश भी उसी दिशा में बढ़ता लगता है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से आई यह खबर कुछ ऐसा ही संकेत देती है, जिसमें कहा गया कि वहां सैकड़ों लोगों ने एक निश्चित अवधि के लिए न सिर्फ मोबाइलों बल्कि लैपटॉप सहित प्रायः सारे डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बना ली। इस दूरी को उन्होंने ई-उपवास या डिजिटल फास्टिंग का नाम दिया। उसे ठीक से बरतने के लिए अपने उपकरणों को पास के मंदिर में जमा कर दिया।

इस उपवास की पहल जैन समाज की ओर से अपने पर्यूषण पर्व के दौरान की गई, जिसमें उपवास की दो कोटियां बनाई गईं। इनके तहत एक दिन का उपवास रख सकने वालों ने एक दिन और दस दिन का उपवास रख सकने वालों ने 10 दिनों के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हाथ नहीं लगाया। राजस्थान के चुरू जिले में मोबाइल का लती एक युवक मानसिक रोगी बन गया तो चिकित्सक बड़ी मुश्किल से उसकी हालत सुधार पाये। दूसरी ओर, प्रयागराज स्थित मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल में पिछले दिनों मोबाइल व इंटरनेट की बढ़ती लत से बीमार होकर आने वाले मरीजों की संख्या इतनी बढ़ गई कि उन्हें निजात दिलाने के लिए अस्पताल को एक मोबाइल नशामुक्ति केंद्र स्थापित करना पड़ा।

दरअसल, समस्या मोबाइल में कम और हमारी उस आदत में ज्यादा है, जिसके तहत हम प्रायः सारी जीवनोपयोगी चीजों के इस्तेमाल में असंयम बरतते हैं। यहां तक कि खाने-पीने में भी। यह असंयम आड़े न आता और मोबाइल के इंटरनेट के साथ जुड़कर स्मार्ट होते ही उसे लत व बीमारी में न बदल देता तो निस्संदेह वह सामाजिक सशक्तीकरण के सबसे प्रभावी उपकरण की भूमिका निभाता। लेकिन कैसे निभाता, जब संचार क्रांति के सारे लाभों को अपने खाते में रखने की प्रतिद्वंद्विता में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने सरकारों के साथ मिलकर जल्दी ही उससे जुड़ी चीजों को अति पर पहुंचाने की ठान ली। देशवासी नई टेक्नोलॉजी के हानि-लाभ से परिचित भी नहीं हुए और उसके साथ ठीक से तारतम्य बिठाना भी नहीं सीख पाये कि सरकार और इन कम्पनियों ने उसे अपरिहार्य बनाते हुए उनके सिर पर सवार करा दिया।

इसकी मिसाल यह कि, व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, कू और टेलीग्राम वगैरह इस तरह लोगों की 'जरूरतों' में शामिल हो गये हैं कि चावल-दाल व आटा से ज्यादा महत्वपूर्ण इंटरनेट का डाटा हो गया है। नोकिया वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट, 2022 से पता चलता है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक डाटा इस्तेमाल करने वाले देशों में है और उसके निवासी अन्य देशों की तुलना में मोबाइल पर औसतन ज्यादा समय बिताते हैं। तिस पर रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मोबाइल पर वीडियो देखने का चलन 2025 तक बढ़कर चार गुना तक हो जायेगा। देश में 2021 में डाटा ट्रैफिक में 31 फीसदी की वृद्धि हुई और औसत मोबाइल डाटा खपत प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह 17 जीबी तक पहुंच गयी है। डेलॉइट के 2022 ग्लोबल टीएमटी अध्ययन में कहा गया है कि भारत में 2026 तक 100 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता होंगे।

क्या आश्चर्य कि, अब संचार क्रांति के लाभों के बीच उसके अनर्थ भी हमारे सिर चढ़कर बोलने लगे हैं। कहीं साइबर ठग लोगों की नादानी का लाभ उठाकर बैंक अकाउंट खाली कर दे रहे हैं तो कहीं जीवन में तकनीक का बेरोकटोक अवांछनीय हस्तक्षेप उनके दिल व दिमाग से खेल रहा है। स्थिति यह है कि मोबाइल की लत से चिड़चिड़ेपन व बेचैनी के शिकार होने के बावजूद चार-पांच साल के बच्चे भी मोबाइल गेम खेले बिना नहीं रह पा रहे हैं। किसी बच्चे से मोबाइल ले लिया जाये तो उसका सोना-जागना, पढ़ना-लिखना और खाना-पीना सब दूभर हो जाता है। फलस्वरूप वह बेहद आक्रामक हो उठता है। अभी बहुत समय नहीं बीता, मुंबई में मोबाइल गेम खेलने से मना करने पर एक 16 वर्षीय किशोर ने आत्महत्या कर ली थी और लखनऊ में एक किशोर ने मोबाइल पर पब्जी खेलने से मना करने पर अपनी मां की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अब संकट यह है कि, कई बच्चे किशोरावस्था से पहले ही वयस्क हो जा रहे हैं-शारीरिक रूप से नहीं तो मानसिक तौर पर ही सही। वे प्रायः घर के ही किसी कमरे में मोबाइल में उलझे रहते हैं और एकांतजीवी हो जाते हैं। उन खेल के मैदानों में भी नजर नहीं आते, जो कभी उनका सबसे प्रिय स्थान हुआ करता था।

ऐसे परिदृश्य में सरकार या संचार क्रांति के लाभ उठाने वाली कम्पनियों की ओर से तो ऐसा कोई कदम उठाये जाने की उम्मीद ही नहीं की जा सकती, जो हमारे जीवन में तकनीक के हस्तक्षेप को उसकी वांछनीयता तक ही सीमित रखे, उसे अहितकर न बनने दे।

– लेखक– कृष्ण प्रताप सिंह

विश्व अल्जाइमर दिवस

डॉ. अरविन्द प्रेमचंद जैन

अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी जो अधिकांश बुजुर्गो में अधिक मिलती है, लेकिन आजकल युवावर्ग में भी यह बहुत अधिक पाई जा रही है। हर साल 21 सितंबर को अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है।

अल्जाइमर बीमारी डिमेंशिया रोग का प्रकार है। डिमेंशिया के बहुत सारे प्रकार हैं। इसलिए इसे अल्जाइमर डिमेंशिया कहते है। यह वृद्धावस्था में होने वाला एक रोग है, जिसमें मरीज की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती है जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे यह रोग बढ़ता जाता है। याददाश्त क्षीण होने के अलावा रोगी की सोच-समझ, भाषा और व्यवहार पर खराब प्रभाव डालता है।

नुकसान

इस रोग के मरीज सामान रखकर भूल जाते हैं, यहाँ तक कि लोगों के नाम, पता या नंबर, खाना, अपना ही घर, बैंक संबंधी कार्य, नित्यक्रिया भूलने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। मरीज चिड़चिड़ा, अचानक रोने लगना, भाषा व बातचीत प्रभावित होना आदि में परिवर्तन आ सकता है।

इस रोग के उपचार के लिए रोगी की दिनचर्या को सहज व नियमित बनाए, समय पर भोजन, नाश्ता, बटन रहित कुर्ता पजामा, सुरक्षा आदि पर ध्यान दें। रोगी का कमरा खुला होना चाहिए। रोगी की आवश्यकता की वस्तुए एक स्थान पर ही रखें। कुछ दवाईयाँ लें जिनसे आपकी याददाश्त में इजाफा हो।

इन दवाओं से मस्तिष्क के रसायनों के स्तर में बदलाव आता है और यह बदलाव मरीज की मानसिक स्थिति में सुधार लाता है। इसके अलावा इस रोग में मरीजों के परिजनों की काउंसलिंग की भी जरूरत पड़ती है, ताकि वे मरीज की ठीक तरह से देखभाल कर सकें।

क्या होता है?

यह एक प्रकार की मस्तिष्क और याददाश्त से जुड़ी बीमारी है जिसमें व्यक्ति याददाश्त सहित धीरे-धीरे सोचने की शक्ति खोता रहता है। अल्जाइमर के जुड़े कई मामलों में यह देखा गया है कि अल्झाइमर से पीड़ित व्यक्ति आसान काम करने में भी असमर्थ रहता है। आजकल यह युवाओं में भी देखने को मिल रही है।

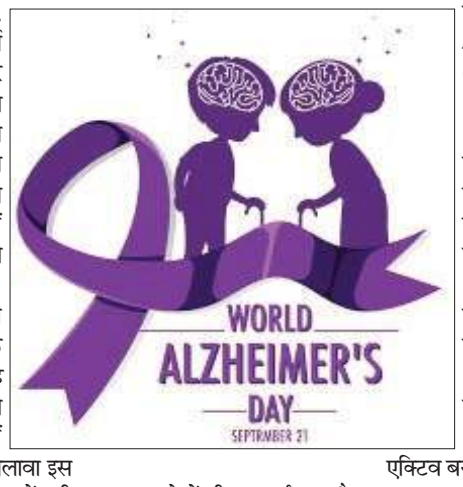

लक्षण

याद्दाश्त का खोना, कुछ भी सोचने में दिक्कत,किसी सोचे हुए काम को पूरा ना कर पाना, आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होना, सही शब्द लिखने में दिक्कत आना, निर्णय लेने में दिक्कत आना, चीज़े रखकर भूल जाना,लोगों से कम मिलना, काम को आगे टालना, डिप्रेशन, मन में डर रहना।

बचाव

वैसे तो (अल्जाइमर) का कोई इलाज नहीं है लेकिन जीवनशैली में कुछ बदलाव करके आप इससे बच सकते है। अल्जाइमर के लक्षण दिखने पर व्यक्ति की तत्काल जाँच करवाए। (अल्जाइमर) की पुष्टि होने पर पीड़ित को पौष्टिक भोजन देने के साथ एक्टिव बनाना चाहिए।

अल्जाइमर बीमारी में क्या होता है?

यह एक न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है, जो मस्तिष्क कोशिकाओं के लगातार नुकसान के कारण होती है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में हर 3 सेकंड में एक डेमेंशिया का मरीज आता है।

कारण

यह समस्या मुख्य तौर पर बुजुर्ग लोगों में देखी जाती है। 60 से 85 वर्ग के बुजुर्ग इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। अगर आपके फैमिली हिस्ट्री है तो अल्जाइमर होने का खतरा ज्यादा रहता है। अगर परिवार में किसी को अल्जाइमर है तो उस परिवार के बुजुर्ग व्यक्ति को होने की संभावना ज्यादा होती है। अल्जाइमर महिलाओं में ज्यादा होता है। लंबे समय तक स्लीपिंग डिसॉर्डर होने पर यह बीमारी हो सकती है। इसके होने का खतरा ज्यादा रहता है।

लाइफस्टाइल में बदलाव होना बहुत जरूरी है। डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और हाइपरटेंशन स्ट्रोक के कारण भी अल्जाइमर हो सकता है। आयुर्वेदिक इलाज, तिल का तेल आयुर्वेद में तिल के तेल का प्रयोग याददाश्त बढ़ाने में उपयोगी है। अश्वगंधा ऐसी जड़ीबूटी है जो रोग को बढने से रोकती है। हल्दी व बादाम, गाजर खाएं, शंखपुष्पी अदरक वचा शंख पुष्पी ब्राह्मी, अश्वगधारिष्ट, सारस्वतारिष्ट, ब्राह्मी वटी आदि।

फटी हुई कमीज से झांकती जीडीपी

ऐ मजदूर भाई, सुन तो...। इत्ती सुबह-सुबह कहां भागा जा रहा है? अरे रुक तो सही..।

भाग नहीं रहा साहब... काम पर जा रहा हूं। बिल्डर की बीस मंजिला बिल्डिंग बन रही है। वहां पत्थर-ईंटें उठाता हूं। देर हुई तो ठेकेदार आज के पचास रुपये काट लेगा।

क्या तू भी... इन बीस-पचास रुपयों के चक्कर में उलझा है। तुझे पता नहीं देश की जीडीपी में कितनी वृद्धि हो गई है।

क्या साहब, जीडीपी क्या होती है। मैंने तो नहीं सुनी यह जीपीडी-वीडीपी...।

हे भगवान! तू तो बड़ा नासमझ है रे...। पूरे देश में जीडीपी के चर्चे हैं और तू बोलता है यह है क्या...। मुझे तो लगता है तेरी गरीबी का कारण ही यही है। तू जीडीपी के बारे में नहीं जानेगा तो अमीर कैसे बनेगा?

क्या साहब, दिन भर कड़ी मेहनत-मजूरी करता हूं। मेरे जैसे अंगूठा छाप के पास समय कहां इन आलतू-फालतू बातों पर सोचने का...।

फिर वही रोना...। उधर जीडीपी बढ़ गई... अर्थव्यवस्था में उछाल आ गया... देश समृद्धि की राह पर है... और तू है कि इसे फालतू की बात कह रहा है। तू हो लिया अमीर... तेरा कुछ नहीं हो सकता...। देश अमीर होगा तो तू भी तो पैसा बनाएगा।

कैसा पैसा...! आप भी मजाक करते हो साहब...। तीन बच्चे हैं। बीस साल से रोज दाल-रोटी की जुगत में ही लगे हैं। आज भी वही कर रहे हैं...। काम मिल जाए यही बहुत है...।

अरे मूरख...। यह जीडीपी बहुत ऊंची चीज है। सरकार कितनी चर्चा करती है इसकी...। बार-बार आंकड़े बताती है। बढ़ रही है, बढ़ रही है...। मुझे तो हैरत होती है कि देश की जीडीपी कहां से कहां पहुंच गई, इतनी समृद्धि आ गई और तू अभी दाल-रोटी के जुगाड़ में ही अटका है। कमबख्त होश में आ...। तुझे तो यह भी ध्यान नहीं होगा कि हमने ब्रिटेन को पीछे रख छोड़ा है।

यह क्या बिरटेन... जेपीडी... जीपीडी... आप क्या-क्या बोले जा रहे हैं साहब... मेरे को तो कुछ समझ नहीं आ रहा... मेरे जैसे कितने सारे लोग हैं देश में...! सब तो दो टाइम की रोटी कमाने में लगे हैं...।

अरे भोले! जीडीपी तो बढ़ेगी। तू उसका फायदा नहीं उठा पा रहा तो यह तेरी गलती है। सरकार इसमें क्या कर सकती है...।

साहब... आप भी... किन बातों में लगा दिया? देर हो गई न...। ठेकेदार फिर पचास रुपये काट लेगा। आपकी बिना काम की बकवास के चक्कर में शाम को दाल में पानी ज्यादा डालना पड़ेगा। मैं तो चला।

जाता हुआ वह गरीब मजदूर ऐसा लग रहा था मानो देश की बढ़ती हुई जीडीपी को सिर पर लादे उसके बोझ से झुका जा रहा है। उसकी फटी हुई कमीज के पैबंदों से देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था झांक रही थी सो अलग।

– लेखक–: मनीष कुमार चौधरी

सरकार करोड़ों के चीते ला रही और गाय सड़कों पर मर रही

सोशल मीडिया में चीते व गाय पर घिर रही मोदी सरकार

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

मोदी सरकार के चीते लाने के बाद से ही लोगों ने अपने अपने फेसबुक अकाउंट पर टिप्पणियों की बरसात कर दी है। जिसमें हर एक व्यक्ति के विचार गायों को लेकर अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट की है।

एक तरफ मोदी सरकार चीते ला रही है और दूसरी और गाय सड़कों पर एक्सीडेंट व बीमारियों की वजह से रोड पर तड़प तड़प कर मर रही है। अगर मोदी सरकार ने चीते लाने में जो फिजूल के पैसे खर्च किए हैं, शायद वह खर्चे गायों की दुर्दशा सुधारने में लगा दीए होते तो गायों को नरकीय जीवन जीना नहीं पड़ता है। रात के अंधेरे में दुर्घटना का शिकार होकर न मरती और शायद उनको भी मौत से छुटकारा मिल जाता। मगर मोदी सरकार की जो लहर चल रही है अलग प्रकार की चल रही है, जिसके कारण आम जनता को महंगाई से भी जूझना पड़ रहा है। सरकार को न गायों से मतलब है न ही आमजन मानस से, वह तो अपनी सत्ता के नशे में चूर हुए बैठी है।

एक तरफ हिंदुत्व के एजेंडे पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा सरकार को सिर्फ और सिर्फ हिंदुत्व को आगे करके सरकार बनाने में माहिर है न कि हिंदुत्व में आने वाली गाय माताओं से कोई लेना-देना है। जब तक सरकार नहीं बनती तब तक एक से बड़े झूठे ढासोकले करती रहती है। जब सरकार बन जाती है तो यह सब हवा में उड़ा दिया जाता है। दूसरी और देखा जाए तो प्लेन से सरकार चीते ला रही है और गाय माताओं को क्रेन से लाद कर फिकवाया जा रहा है। जिसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अगर बात करें शाजापुर जिले के तहसील शुजालपुर की तो आवारा मवेशियों ने आने जाने वाले राहगीरों की नाक में दम कर रखा है। अकोदिया नाका पर गायों का जमावड़ा होने के कारण वाहन चालक अपना वाहन ठीक तरीके से भी नहीं निकाल पाते हैं। अगर जाने अनजाने में किसी वाहन चालक से दुर्घटना हो जाती है तो प्रशासन से लेकर हर संगठन मैदान में उतर जाते हैं और वाहन चालकों के साथ झूमा झटकी व मारपीट पर उतर जाते हैं। शुजालपुर की जनता ने नगर पालिका चुनाव होने का इंतजार किया था कि, नगरपालिका अध्यक्ष बनने पर यह स्थिति सुधर जाएगी मगर फिर भी वही हालत देखने को मिल रहे हैं, जो कि कुर्सी तोड़ सीएमओ सुल्ताना के राज में देखने को मिलता था। क्योंकि कई दिनों से जमी पड़ी नगर पालिका सीएमओ निगहत सुलताना को आम जनता की परेशानियों से कोई मतलब नहीं है। क्योंकि इन्हीं के कार्यकाल में कई भ्रष्टाचार हुए हैं जिसको माही की गूंज ने हर एक मुद्दे को स्पष्ट रूप से जनता के सामने उजागर किया है। भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने एफआईआर दर्ज कराने के आदेश तक दिए थे मगर सीएमओ ने उनके आदेशों को भी गुब्बारा समझकर हवा में उड़ा दिये गए और मामलो को जांच के नाम पर दबा दिया गया।

धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी बोलने को तैयार नहीं, कोर्ट ने बढ़ाई 2 दिन की रिमांड

माही की गूंज, मंदसौर।

पूर्व नपा अध्यक्ष और भाजपा उपाध्यक्ष राम कोटवानी को तीन दिन की रिमांड खत्म होने के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से पुलिस को दो दिन रिमांड पर सौंपा था। धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार कोटवानी पुलिस के सामने मुंह खोलने को तैयार नहीं है। पुलिस ने इस बात को न्यायालय में कहा। न्यायालय से 3 दिन की रिमांड मांगी थी। इसके बाद दो दिन की रिमांड स्वीकार की। 21 सितंबर तक कोटवानी को रिमांड पर भेजा था।

कोहिनूर निधि लिमिटेड संस्था ने गरीबों को लाखों रुपए का चूना लगाया। पुलिस ने मामले में पहले डायरेक्टरों को गिरफ्तार किया। इसके बाद पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी को गिरफ्तार किया। अभी तक की जांच में पता चला है कि डायरेक्टर आदिल और रईस तो एक मोहरा थे। असल खेल राम कोटवानी खेल रहे थे। डायरेक्टर भी इसकी जानकारी पुलिस को पूछताछ में दे चुके हैं। पुलिस ने कोटवानी को 16 सितंबर को नपा कार्यालय के बाहर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। तब कोर्ट ने 19 तक की रिमांड सौंपी थी।

इन तीन दिन में राम ने पूछताछ में कुछ विशेष सहयोग नहीं किया। रिमांड खत्म होने पर पुलिस ने कोटवानी को वापस सोमवार को कोर्ट में पेश किया। यहां पुलिस ने कोर्ट से तीन दिन की रिमांड मांगी लेकिन कोर्ट ने दो दिन रिमांड दी।

शहर कोतवाली टीआई अमित सोनी ने बताया कि, पूछताछ जारी है। राम से विशेष कुछ जानकारी नहीं मिली है लेकिन हम पूरा प्रयास कर रहे हैं।

ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष का बोरदा में हुआ स्वागत

माही की गूंज, भानपुरा।

ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया विनीत यादव द्वारा क्षेत्र वासियो का आभार व्यक्त करने के लिए धन्यवाद् यात्रा निकली जा रही है, जिसके तहत वहां गाँव-गाँव जा रही है। इसी श्रंखला मे धन्यवाद् यात्रा गाँव बोरदा पहुची जहां पूर्व प्रदेश युवा मोर्चा उपाध्य्क्ष विनीत यादव व ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया वनीत यादव का जोरदार स्वागत हुआ। धन्यवाद् यात्रा के दौरान मंडल अध्यक्ष सौदान गुर्जर, महामंत्री पहलाद हाड़ा, पिछड़ा मोर्चा कार्यसमिति सदस्य राकेश यादव, सरपंच प्रतिनिधि उमेश पाटीदार, जनपद सदस्य प्रतिनिधि दयाराम खारोल, हरिराम पाटीदार, ओम प्रकाश, सत्यनारायण, बसंतीलाल, बसंती लाल नेताजी, भगत रामजी, जय किशन, जगदीश, दिनेश, रमेश पाटीदार, दिनेश पाटीदार, कबराम, सुरेश पाटीदार, सुभाष, राजू, प्रकाश, रामनिवास, अरविंद भील, गोविंद सिसोदिया, अविनाश गोरवी, समस्त कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी बोरदा उपस्थित थे।

जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यक्रताओ व क्षेत्रवासियो ने जो आशीर्वाद दिया है उसका मे हमेशा सम्मान करुगां- प्रदेश युवक काग्रेंस सचिव पटेल

माही की गूंज, भानपुरा।

मेरे 31 वे जन्म दिवस पर गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यक्रताओ व आम मतदाताओ ने जो आशीर्वाद, शुभकामनाए, स्नेह दिया उसका मैं हमेशा सम्मान करुगा ओर भावनाओ पर खरा उतरुगां। उक्त विचार प्रदेश युवक कांग्रेस सचिव व क्षेत्र के वरिष्ठ युवा नेता दुर्गेश पटेल ने 19 सितम्बर को जन्म दिवस समारोह मे व्यक्त किए। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दुधाखेडी माताजी पर गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यक्रताओ व दुर्गेश पटेल मित्र मण्डल ने यह जन्म दिन मनाया। इस समारोह मे 5 हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकता, नेता व आम मतदाता शामिल हुए। साथ ही क्षेत्र कि कई सामाजिक सस्थाओं के प्रमुख, सदस्य गण, कई सरपचं, जनपद प्रतीनिधी, पार्षद गण, गरोठ व भानपुरा के पत्रकार गण भी शामिल हुए। सुबह 10 बजे से यह समारोह शुरु हुआ जो शाम 4 बजे तक चला। सभी के लिए भोजन कि व्यवस्था भी कि गई थी। दुर्गेश पटेल को आशीर्वाद व शुभकामना देने जो प्रमुख नेता पहुचे उनमे धाकड समाज के प्रदेश अध्यक्ष, युवक कांग्रेस के महासचिव सजयं नादेडा, बजारां समाज अध्यक्ष भीमसिह राणा, प्रदेश महासचिव सुरेश पटेल, पुर्व जनपद अध्यक्ष इन्दोर रामसिह पारिया, बालुसिह करनोद, गरोठ जनपद उपाध्यक्ष तुफानसिह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतीष जोशी, जगदीश चतुर्वेदी, कचरुलाल मगर, रामचन्द्र अहीर, फरीद मन्सुरीं, भानपुरा देवनारायण समिती के सदस्य के साथ कई गावों कि झण्डा समिती सदस्य इस जन्म दिवस समारोह मे पहुचे। सभी ने दुर्गेश पटेल का फुल मालाओ से स्वागत किया व शाल-श्रीफल भेटकर व साफा बाधंकर शुभकामनाए दी।

गरोठ-भानपुरा विधानसभा क्षेत्र मे कांग्रेस के किसी नेता का जन्म दिवस का इतना बडा समारोह पहली बार देखा गया। इस अवसर पर दुर्गेश पटेल को कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओ ने शुभकामना सदेशं भेजे, उनमे पुर्व मत्रीं जीतु पटवारी, विधायक विपीन वानखेडे प्रमुख है।

उल्लेखनीय है कि, पटेल विगत तीन वर्षो से स्थाई रुप से गरोठ रहकर सक्रिय हे ओर जन्मदिन के अवसर पर उस सक्रियता कि पुष्टि उनके जन्म दिवस समारोह मे पहुची भीड से हो गई। जन्म स्थल समारोह पर वाहनो कि लम्बी कतारे लगी थी। 2023 विधानसभा चुनाव के पहले क्षेत्र मे यह कांग्रेस कार्यक्रताओ का बडा जमघट था।

8 लेन एक्सप्रेस पर मार्ग के लिए किसानों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, मंदसौर।

8 लेन एक्सप्रेस वे पर किसानों को रास्ता नहीं मिलने पर नाराज किसानों ने 4 घंटे प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे किसान भागीरथ मालवीय, जगदीश शर्मा, निगिन खाती पटेल, रिंकू मालवीय ने बताया कि, ग्राम कुरावन और इसके आसपास के 500 से अधिक किसानों की जमीन निर्माणाधीन एक्सप्रेस वे के उस पार है। किसानों ने कई बार इसकी शिकायत मंत्री हरदीप सिंह डंग सहित अन्य अधिकारियों और क्षेत्रीय नेताओं भी कर चुके है। लेकिन किसानों के खेतों तक पहुंचने का रास्ता बंद हो गया है।

पुल के नीचे रास्ता बनाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

8 लेन सड़क पर एक पुल है। इसके नीचे से किसान आना-जाना करते है लेकिन बारिश के दिनों में पुल के नीचे नहीं निकाला जा सकता। इन दिनों किसानों की फसल पक चुकी है और कटाई शुरु हो चुकी है। ऐसे में किसानों को खेत तक ट्रैक्टर-ट्रॉली ले जाना मुश्किल हो रहा हैं।

शिकायत के भी जब किसानों को रास्ता नहीं मिला तो कुरावन गांव के करीब 200 किसानों ने निर्माणाधीन 8 लेन हाईवे पर बैठ प्रदर्शन शुरु कर दिया। करीब चार घंटे चले प्रदर्शन मौके पर तहसीलदार अर्जुन भदौरिया मौके पर पहुंचे। किसानों ने उन्हें रास्ते की मांग का एक ज्ञापन सौंपा है। तहसीलदार अर्जुन भदौरिया ने बताया कि, किसानों के खेत तक पहुंचने का रास्ता बंद होने के चलते प्रदर्शन किया था। ज्ञापन में किसानों ने पुल के नीचे नाले पर रास्ता बनाने की मांग की है। सड़क निर्माण ग्रीन अल्फा नाम की कम्पनी कर थी। निर्माण पूरा होने के बाद उनके कर्मचारी यहां नहीं है।

खाद्य एवं औषधि विभाग ने प्रतिष्ठानों से एकत्रित किए नमूने

माही की गूंज, रतलाम।

कलेक्टर नरेन्द्र सुर्यवंशी के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा एवं ज्योति बघेल द्वारा मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत मिलावट के विरूद्ध जिले के विभिन्न क्षेत्रो में जाकर निरन्तर कार्रवाई की जा रही है। ताकि आमजन को गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सके। दल द्वारा कार्रवाई करते हुए विभिन्न खाद्य संस्थानो का निरीक्षण कर खाद्य प्रदार्थों के नमूनें संग्रहित किए गए। जिनमें हरदेवलाला पीपली स्थित रिलायंस स्मार्ट पाईंट से एक किलो खराब सेवफल, शिमला मिर्च पाए जाने पर नष्ट करवाया गया तथा ताजे फल व सब्जी विक्रय करने के निर्देश दिए गए। संस्थान से पेक हरे मटर तथा न्यू रोड स्थित सर्वानंद बाजार से हरे मटर का नमूना संग्रहित किया गया।दल द्वारा खाद्य संस्थानों में स्वच्छता बनाये रखने खाद्य पदार्थो को ढंककर रखने एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं विक्रय करने के निर्देश दिए गए। उक्त नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये जहां से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

कुनो के बाद अब गांधीसागर अभ्यारण्य में गूंजेगी अफ्रीकी चीतों की दहाड़

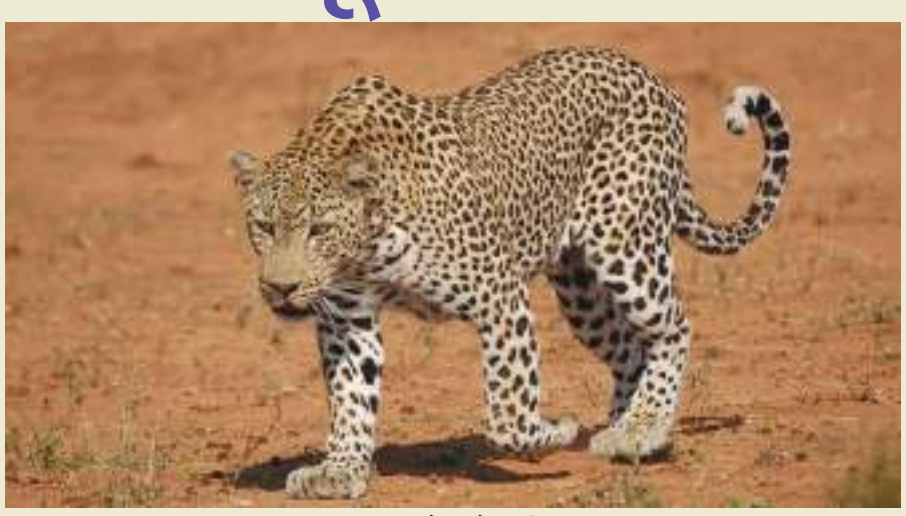

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

गांधीसागर अभ्यारण्य में भी अफ्रीकी चीते आएंगे। इसमें 3 नर व 5 मादा चीते लाने की तैयारी है। इसके लिए वन विभाग संसाधनों पर फोकस रहा है। कई बार विभागीय अमले के साथ विशेषज्ञों की टीमों ने यहां पहुंचकर निरीक्षण कर अनुकूलता को देखा है। चीतों के लिए यहां तमाम अनुकूलता है, लेकिन अभयारण्य में ग्रामीणों के मवेशी बड़ी समस्या बने हुए हैं। चीतों के लिए पहले चीतल को यहां बसाने का काम शुरू किया। जो सफल रहा। 266 चीतल छोड़ गए थे, जो अब 350 तक हो गए हैं।

डीएफओ आदेश श्रीवास्तव का कहना है कि, दूसरे चरण में हमारे यहां 3 नर व 5 मादा चीता अफ्रीका से लाने की योजना है। 38 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में गांधीसागर अभयारण्य फैला है। चंबल नदी से सटा होने के साथ घास वाला और चीते के दौडने के लिए पर्याप्त स्थान है। जैसे-जैसे बजट मिल रहा है, बाउंड्रीवाल का काम कर रहे हैं।

चीतों के लिए गांधीसागर तैयार पर मवेशी बन रहे बाधा

देश में चीतों को बसाने की दिशा में काम हो रहा है। दूसरे ही चरण में जिले के गांधीसागर में चीते आना है। अरावली पर्वत श्रृंखलाओं के बीच में बसे प्राकृतिक गांधीसागर अभयारण में वह सभी कुछ है जो वन्य प्राणियों के लिए चाहिएं। इस अभयारण को वन्य जीवों के रहने के लिए अनुकूल बनाने वाली हर एक चीज यहां पर है। भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून के वैज्ञानिक वायवी झाला अपने तीन साथियों के साथ दौरा कर चुके हैं। आठ वैज्ञानिकों ने घने जंगल का दौरा कर जंगलों का घनापन देखा, पहाड़ व कंदराएं भी देखी थी। देहरादून के भारतीय वन्य जीव संस्थान से आई टीम ने यहां निरीक्षण के बाद इसकी हरी झंडी दी तो तैयारियां शुरु हुई पिछले दो साल से इस पर काम चल रहा है। लेकिन गांवों से घुस रहे मवेशी को रोकने के लिए कोई योजना नहीं है।

अभ्यारण के बारे मे जानकारी

गांधीसागर अभयारण्य भारत के मध्य प्रदेश के मंदसौर और निमाच जिलों की उत्तरी सीमा पर स्थित एक वन्यजीव अभयारण्य है। यह भारत में राजस्थान राज्य के निकट 368.62 किमी 2 (142.32 वर्ग मील) के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसे 1974 में अधिसूचित किया गया था और 1983 में अधिक क्षेत्र जोड़ा गया था।

स्वयं का अवलोकन कर स्वयं में सुधार करना जीवन की सफलता का ध्योय है - मुनि श्री संधान सागर जी

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी की अध्यक्षता में कोरोना काल पश्चात जेल प्रोटोकाल का पालन करते हुए केन्द्रीय जेल बड़वानी जेल में शिविर का आयोजन किया गया। बावनगजा जैन तीर्थ में चातुर्मास हेतु विराजित 108 मुनि श्री संधान सागर महाराज के द्वारा जेल के बंदियों एवं आगुतकों द्वारा पारंम्परिक ढोल द्वारा एंव मादल पर नृत्य करते हुए कार्यक्रम स्थल पर ले जाया गया। पाद प्रक्षालन मंगलाचरण के बाद जेल के बंदियों द्वारा भी गुरू की अगवानी में सुदंर गीत प्रस्तुत किया गया। पश्चात जेल अधिकारियों द्वारा मुनिश्री का शाल एवं श्रीफल भेंट कर पूजन किया गया। मुनि श्री द्वारा प्रवचन स्थल पर पहुच कर बंदियों को आर्शीवचन दिए गए। मुनि श्री के द्वारा बंदियों को स्वयं का अवलोकन करने और स्वयं के सुधार करने पर जीवन की सफलता का ध्येय पूर्ण होने की बात कही। मुनि श्री के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से जेल में बंदियों के पुस्तकालय हेतु पुस्तकें भेंट की गई तथा जैन समाजजनों के द्वारा फर्नीचर दान करने की घोषणा की गई। सागर जेल में चल रहे हथकरघा उद्योग की भांति बड़वानी जेल में हथकरघा प्रदाय करने का प्रयास करने मुनि श्री द्वारा समाजजनों से सहयोग हेतु कहा गया। मुनि श्री संधान सागर जी द्वारा साधु का अतीत एवं बंदी का भविष्य विषय पर बंदियों के जीवन सुधार एवं आत्मावलोकन के लिए

प्रेरणादीय उद्बोधन दिया गया। जेल में परिरूद्ध समस्त महिला एवं पुरूष बंदियों द्वारा जागरूकता शिविर में भाग लिया। श्री तिवारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा मुनिश्री के वचनों को बंदियों को आत्मसात करने पर बल दिया। सचिव श्री अमित सिंह सिसोदिया द्वारा जेल में बदियों को लीगल एड क्लीनिक, विधिक सहायता, बंदियो के अधिकार, प्लीबारगेनिंग, महिलाओं के अधिकार, जेल लोक अदालत, भोजन का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार आदि विषयों पर जानकारी दी। एवं पेम्पलेट वितरित कराये। सचिव के द्वारा बताया कि कार्यक्रम का प्रथम विचार प्रधान जिला न्यायाधीश को आया। उनकी प्रेरणा एवं मुनिश्री के आर्शीवाद से कार्यक्रम आयोजित हुआ। जागरूकता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बड़वानी से सचिव अमितसिंह सिसोदिया, जेल अधीक्षक डी.एस.अलावा, प्रभारी उप अधीक्षक विनय काबरा, सहायक अधीक्षक सुश्री सुस्कृता जोशी, एव जेल स्टॉफ एवं जैन समाज के प्रबुद्धजनजन, जिनेन्द्र जोशी, जितेन्द्र जैन, महेन्द्र पहाड़िया, सौरभ जेन, अरंहत अजमेरा आदि उपस्थित थे। शिविर में लगभग 700 बंदी उपस्थित थे जिन्होने शिविर का लाभ लिया।

जामगेट से हो रही गिट्टी का अवैध परिवहन खनिज विभाग ने किया जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

खनिज विभाग की गिट्टी व रेत के अवैध परिवहन पर कार्यवाही की गई। खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया कि, मंगलवार को ग्राम चौली से अवैध गिट्टी परिवहन की सूचना पर कार्यवाही की गई है। सूचना प्राप्त होते ही खनिज अधिकारी स्वयं निकले। रास्ते मे जानकारी मिली कि डंपर जामगेट की ओर निकला। खनिज अधिकारी जामगेट की ओर पीछा करते हुए पहुँचे और घाट चढ़ने से पूर्व ही पकड़ा गया। रॉयल्टी की जांच की गई तो चालक प्रस्तुत नहीं कर पाए। खनिज अधिकारी ने डंपर मण्डलेश्वर थाने में पुलिस की अभिरक्षा में खड़ा किया गया। इससे पूर्व खनिज अधिकारी ने दोपहर और कार्यवाही की। खनिज अधिकारी चौहान जब वे मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत खामखेड़ा के शिविर का निरीक्षण कर सेंगाव से लौट रहे थे। तभी खरगोन आते समय दोपहर 2 बजे के आसपास रेत का अवैध परिवहन करते हुए ट्रैक्टर दिखाई दिया। रॉयल्टी मांगे जाने पर भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाये। ट्रैक्टर जप्त कर सेगांव चौकी में पुलिस की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया।

खनिज अधिकारी चौहान ने बताया कि, मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) के नियम 2022 के तहत प्रकरण पँजीबद्ध किया गया है। प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किये जायेंगे।

ग्राम पंचायत देवनली के शिविर प्रभारी एवं शिविर दल के कार्यों की कलेक्टर ने की प्रशंसा

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को अपने जिले के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों का में लगे शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत भवन देवनली में लगे शिविर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने शिविर प्रभारी तथा शिविर दल के सदस्यों द्वारा ग्राम में घर-घर किए गए सर्वे रजिस्टर को देखकर सर्वे दल के सदस्यों के कार्यों की प्रशंसा भी की। साथ ही उन्हें यह निर्देशित भी किया कि, सर्वे के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की 32 स्कीमों के तहत जो हितग्राही पात्र पाए गए हैं, उन्हें प्रथम एवं फॉलो अप शिविर के दौरान शत - प्रतिशत लाभान्वित किया जाए। ग्रामों में कोई भी पात्र हितग्राही उक्त योजनाओं का लाभ लेने से वंचित ना रहे। ग्रामीणों की सहायता करने वाले युवाओं की कि प्रशंसा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत जिले के ग्राम पंचायतों में निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के संज्ञान में आया कि ग्राम पंचायत घुसगांव के मेहरबान, कालू, सुखलाल तथा ग्राम पंचायत देवनली के अशोक चैहान एवं गुलाब जमरे ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए मदद करते हैं। यह युवा योजनाओं का लाभ लेने में ग्रामीणों को आ रही परेशानियों को जहां दूर करते हैं, वहीं उनके दस्तावेजों में अगर कोई कमी होती है तो उसे भी वह पंचायत में जाकर पूर्ण कराते हैं। इस पर कलेक्टर ने उक्त युवाओं की पीठ थपथपाते हुए इनके द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा। तथा उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अज्ञानता के कारण कई पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है अतः यह युवा ग्रामों में जो कार्य कर रहे हैं उनसे दूसरे युवाओं को भी प्रेरणा लेना चाहिए। इस दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, एसडीएम राजपुर वीरसिंह चैहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

रासेयो पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए प्रतिभागियों का किया जिला स्तर पर चयन

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत लगने वाले पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के जिला स्तर चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया। चयन प्रक्रिया रासेयो के जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश आवासे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। जिला स्तर पर चयनित छात्र छात्राएं 27 सितंबर को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर आरएनटी मार्ग पर विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया में खरगोन जिले के प्रतिभागी के रूप में प्रतिभागीता करेंगे। परेड सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि मापदंड के अनुसार छात्र वर्ग में प्रथम हर्ष माखनलाल राठौड़ शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन, द्वितीय स्थान नर्मदाशंकर कल्लू तिरोले महाविद्यालय बड़वाह वही प्रतीक्षा सूची में विकास धर्मदास केदारे। छात्राओं में प्रथम स्थान पर पूजा कन्हैया सोलंकी महाविद्यालय खरगोन, द्वितीय स्थान पर अदिति गजेंद्र गुप्ता जीआरवाय इंस्टिट्यूट बोरावा, वही प्रतीक्षा सूची में श्रेया ओम प्रकाश सेन को रखा गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा ने सभी प्रतिभागियों को आगामी चयन प्रक्रिया के लिए शुभकामनाएं दी।

चयन प्रक्रिया में महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनैना चौहान, डॉ.राजेंद्र चौहान ,डॉ. ओमप्रकाश मेहता, डॉ. देसाई, संजय कोचक पुष्पेंद्र नामदेव, एनसीसी प्रभारी जीआईटी बोरावा, स्वयं सेवक सावन धनगर उपस्थिति रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने मनाया पुनीत सागर अभियान

माही की गूंज, बड़वानी।

लेफ्टिनेंट डॉक्टर एमएस मोरे ने बताया कि, 36 मध्य प्रदेश बटालियन एनसीसी खंडवा के एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल राजीव कुमार के आदेशानुसार शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स द्वारा पुनीत सागर अभियान मनाया। इस अभियान में कैडेट्स को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली महाविद्यालय कैंपस से शुरू होकर कारंजा तथा कारंजा से धोबढ़िया तालाब तक का आयोजन किया गया एवं तालाब के किनारों पर प्लास्टिक उठाकर साफ सफाई की गई एवं आसपास के निवास के लोगों को तालाब किनारे प्लास्टिक नहीं फेकने हेतु प्रेरित कर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान को एक दिसंबर 2021 से शुरू किया गया था। जिसमे एनसीसी कैडेट्स द्वारा नदी एवं तालाब की सफाई करेंगे। इस अभियान मे एनसीसी कैडेट्स द्वारा धोबडिया तालाब के किनारे प्लास्टिक की साफ सफाई करने का अभियान चलाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता, डॉ. आरएस मुजाल्दा, डॉ. सपना गोयल, मीडिया प्रभारी डॉ. बलराम बघेल एवं अंडर ऑफिसर ज्योति वास्कले, चीमा ,सीताराम, रविंद्र एवं सारे सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग के कुल 65 कैडेट्स शामिल होकर इस जागरूकता अभियान को सफल बनाया।

तीन दिवसीय आंतरिक गुणवत्ता प्रेरण कार्यक्रम का हुआ समापन

माही की गूंज, खरगोन। कन्या महाविद्यालय बुधवार को तीन दिवसीय आंतरिक गुणवत्ता प्रेरण कार्यक्रम का हुआ समापन हुआ। प्रेरण कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रो. केसी केथवास ने छात्राओं को ट्रेनिंग एवं इंटर्नशिप के साथ ही अंकुर विषय में जानकारी दी। डॉ. अनुराधा ठाकुर ने नई शिक्षा नीति 2020 से छात्राओं को अवगत कराया गया। डॉ. रफिया अज़ीज़ ने रासेयो की गतिविधियो एवं समाज सेवा में युवाओं कि भूमिका पर के महत्व का समझाया। प्रो.ममता गोयल ने महाविद्यालय में उपलब्ध अधोसंरचनात्मक सुविधाये, कामन रूम, ग्रंथालय, पेयजल, प्रसाधन, सेनेटरी पेड (वेंडिंग मषीन), प्रयोगशाला आदि की जानकारी दी। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. बीएल भाटे ने शारीरिक शिक्षा तथा योग के विषय की जानकारी दी। प्रो. आरे शिन्दे ने मोबाईल के फायदे और नुकसान की जानकारी छात्राओं को दी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के समस्त कार्यालयीन स्टाफ से सभी छात्राओं को परिचय कराया गया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य प्रो. प्रीति राठोर के सम्बोधन से हुआ। कार्यक्रम प्रभारी डॉ .सेवन्ती डावर ने संचालन एवं आभार डॉ. मनिषा चौहान ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालयीन के डॉ. पवन नामदेव, प्रो. प्रमोद सावनेर, प्रो. श्रृद्धा महाजन, प्रो. अनुराधा बरूड़, प्रो. शर्मिला किराड़े, श्री सखाराम मकवाने एवं छात्रायें उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के राजपुर नगर के शिविर का निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत नगर निकाय राजपुर के वार्ड क्रमांक 4 एवं 5 में लगने वाले शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर प्रभारी को निर्देशित किया कि वे शिविर स्थल पर ही आयुष्मान कार्ड की प्रिंट आउट हितग्राहियों को उपलब्ध कराएं। साथ ही हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में आ रही समग्र आईडी की समस्या का भी निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, भाजपा जिला अध्यक्ष ओम सोनी, नगर परिषद राजपुर अध्यक्ष मुकेश पप्पू कुशवाह सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घटित घटना पर एसडीएम को जांच के आदेश

माही की गूंज, खरगोन।

श्रम विभाग के पीएस सचिन सिन्हा बुधवार को श्रम विभाग कार्यालय का निरीक्षण करने पहुँचे। यहां उन्होंने विभागीय कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बाल श्रम के तहत पिछले 10 वर्षों में पंजीबद्ध प्रकरणों की समीक्षा की। श्रम निरीक्षक राहुल मुवेल ने बाल श्रम अधिनियम के तहत धारा-3 और धारा-12 के प्रकरणों के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। पीएस श्री सिन्हा ने धारा-3 के प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराने और धारा-12 के प्रकरणों में जुर्माना करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोक अदालत के माध्यम से निराकृत हुए प्रकरणों की भी जानकारी ली।

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित बरवेट शाखा सारंगी

ऐजेण्डा

वार्षिक साधारण आम सभा मान्यवर महोदय, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित बरवेट शाखा- सारंगी के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि, संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 27/09/2022 वार मंगलवार को दिन के 12:00 बजे संस्था कार्यालय भवन बरवेट पर आयोजित की जावेगी। अतः नियत दिन व समय पर उपस्थित होने का कृष्ट करें। उपरोक्त दिनांक 27/09/2022 को यदि नियत समय पर साधारण सभा के लिये गणपुर्ति नहीं हुई तो साधारण सभा स्थगित की जाकर उसी दिन व समय पर नियत समय के आंधे घंटे पश्चात वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही उपस्थित सदस्यों द्वारा सम्पन्न की जावेगी। जिसमें गण पुर्ति आवश्यक नही होगी।

विषय सुची

1. वर्ष 2021-22 के वार्षिक पत्रक को स्वीकृत व पुष्टि करने बाबद।
2. वर्ष 2020-21 एंव 2021-22 के आडिट नोट की तामिली प्रतिवेदन की पुष्टि करना।
3. गत आमसभा की पुष्टि करने बाबद।
4. प्रबंधकारिणी की मिटिंग की पुष्टि करने बाबद।
5. संस्था का आगामी वर्ष 2022-23 के लिये अनुमानित बजट स्वीकृत करना।
6. वर्ष 2021-22 के स्वीकृत बजट से अधिक हुई व्ययों की पुष्टि करना।
7. संस्था की अधिकतम ऋण सिमा निर्धारण करने बाबद।
8. अन्य विषय प्रशासक महोदय की आज्ञा से।

प्रबंधक आदिम जाति सेवा सहकारी पर्या संस्था मर्यादित बरवेट

-: जाहिर सूचनाः-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैरे पक्षकार रामलाल, गोपाल पिता शंभु परमार (नाई) निवासीगण- पेटलावद जिला झाबुआ के रहवासी होकर उनके स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि कस्बा पेटलावद पहनदृ 05 (पुराना) नवीन 7- सर्वे नम्बर 1031, रकबा 0.34 हे. लगान 7.00 पैसे की कृषि भूमि राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। उक्त भूमि पर शुभम पिता सुरेश और अंगुरबाला बेवा सुरेश परमार नाई का किसी प्रकार का कोई स्वत्व, आधिपत्य नही है मात्र अपने नाम की आड मे उक्त शुभम और अंगुरबाला मैरे पक्षकारगण के हिस्से, बॅटवारे वाली भूमि को बिक्री अंतरण करने की फिराक में है, जिसका कोई अधिकार इनको नही आता है। मैरे पक्षकारगण के बाले बाल कोई भी व्यक्ति उक्त भूमि के सम्बंध मे किसी भी प्रकार का सोदा, इकरार, बिक्री अंतरण आदि नही करे। यदि उसके बावजुद ऐसा करते है तो वह अवैध स्वरूप का होकर मैरे पक्षकार पर बंधनकारक नही रहेगा, ऐसे फर्जी क्रेता को कोई भी हक अधिकार अर्जित नही होंगे और समस्त जवाबदारी सम्बंधित पक्ष की रहेगी।

एडवोकेट
आर.के. चतुर्वेदी
गांधी चौक पेटलावद
जिला झाबुआ म.प्र.

निमाड़ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने मनाई गई 13वीं वार्षिक आम सभा

माही की गूंज, बड़वानी।

ब्लॉक राजपुर के लघु सीमांत किसानों द्वारा एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट (आसा) संस्था के तकनीकी सहयोग से सन् 2008-09 मे गठित निमाड़ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की 13 वी वार्षिक आम सभा का आयोजन दिनांक 21 सितम्बर को कृषि उपमंडी ओझर में किया गया। सभा के दौरान संचालक मंडल का चयन, लेखा-जोखा की जानकारी, कर्मचारियों की नियुक्ति का अनुमोदन, सीए की नियुक्ति, बिजनेस प्लान इत्यादि पर चर्चा कर अनुमोदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अनिल डामोर, राजपुर एसडीएम वीरसिंह चैहान, मेवालाल पाटीदार (गायत्री शक्तिपीठ अनुसंधान केन्द्र सेंधवा), एन. के. तांबे (प्राकृतिक खेती प्रशिक्षक), अंतरसिंह पटेल (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष), अजय यादव (जिला महामंत्री), दीपक शर्मा(प्रांत सह संयोजक), एस.के.बड़ोदिया (वरिष्ठ वैज्ञानिक, केवीके तलुन), भगत दायमा, अनुपम कलिता स्टेट हेड एयरटेल पेमेंट बैंक, अध्यक्षता दिनेश यादव, कार्यक्रम ऑब्जर्वर आर.सी.पटेल (आसा संस्था), मो0 राशिद शेख (आसा), सचिन यादव लेखा समन्वयक, अनुराग पटेल (आसा) समन्वयक, सभी कम्पनी डायरेक्टर श्रीमति बसन्ती बघेल, श्रीमति अनिता वास्कले, श्री रंजना चैहान एवं 587 अंशधारक उपस्थिति रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा किसानों का मार्गदर्शन किया गया। कलेक्टर द्वारा जनसेवा अभियान अंतर्गत योजनाएं, कस्टम हायरिंग सेंटर, गौपालन योजना, प्राकृतिक खेती का महत्व आदि, मेवालाल पाटीदार, एस.के.बड़ोदिया और एन. के. तांबे द्वारा प्राकृतिक खेती, एयरटेल पेमेंट बैंक द्वारा डिजिटल बैंकिंग साक्षरता, भगत दायमा द्वारा समूह और कंपनी का महत्व के बारे मे बताया गया, और कंपनी सीईओ तिलोक सोलंकी द्वारा सक्रिय सदस्यों को स्मृति चिन्ह के माध्यम से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आभार व्यक्त एफसीओ कोऑर्डिनेटर अनुराग पटेल (आसा संस्था) द्वारा किया गया।

विरेन्द्र के हत्यारे जीशान का केस फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाया जाए, जल्द हो फांसी

हिन्दू युवा जनजाति संगठन ने जिले भर में सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

हिन्दू युवा जनजाति संगठन अलीराजपुर ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम एसपी मनोज सिंह के साथ कट्ठीवाड़ा, उदयगढ़, भाबरा, जोबट, आम्बुआ, सोण्डवा व सभी जगह थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। हिन्दू युवा जनजाति संगठन के जिला अध्यक्ष रोशन पचाया ने ज्ञापन में कहा कि, अलीराजपुर जिले के ग्राम उमराली निवासी विरेन्द्र सस्तिया की हत्या काण्ड के मुख्य आरोपी जीशान कुरैशी पिता सलीम कुरैशी निवासी कुक्षी जिला धार की सम्पत्ति कुर्क कर फांसी की सजा की मांग करता है।

जिले भर में सौंपे गए ज्ञापन

अलीराजपुर जिले के उमराली में रहने वाले विरेन्द्र सस्तिया पिता सरदार सस्तिया (25) के साथ मुस्लिम व्यक्ति जीशान कुरैशी ने हत्या कर दी और उसकी लाश को गांव की छोटी नंदी में फेंक दी।

हिन्दू युवा जनजाति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दिलीप चैहान ने बताया कि, जीशान कुरैशी पिता सलीम कुरैशी निवासी कुक्षी जिला धार एक आदतन अपराधी होकर उसके खिलाफ हत्या, लुट, मारपीट, लव जिहाद जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं। जिसके चलते धार प्रशासन द्वारा जिला बदर की कार्यवाही की गई। किन्तु जीशान कुरैशी एक आदतन अपराधी होने के कारण अन्य जिलों में आपराधिक गतिविधियों में शामिल होकर अन्य जिलों की शांति भंग करने एवं जनता के बीच आक्रोश पेदा करने का काम करता रहा है।

प्रदेश प्रवक्ता सुरेश मण्डलोई ने बताया कि, मध्यप्रदेश में मुस्लिम समाज के कई युवकों द्वारा कई आदिवासीयो समाज के युवकों के साथ मारपीट करने एवं हत्या करने तथा आदिवासी समाज की गरीब लड़कीयों को बहला फुसलाकर कर लव जिहाद का शिकार बना कर उनका शोषण कर उनकी हत्या कर देना जैसे कुकर्म को अंजाम दिया जा रहा है। जिस आदिवासी समाज के साथ-साथ हिंदू समाज के युवकों मैं आक्रोश बना हुआ है।

हिन्दू युवा जनजाति संगठन ने आलीराजपुर जिले के ग्राम उमराली निवासी विरेन्द्र सस्तिया की हत्या काण्ड के मुख्य आरोपी जीशान कुरैशी पिता सलीम कुरैशी निवासी कुक्षी जिला धार की सम्पत्ति कुर्क कर फांसी की सजा की मांग को लेकर बुधवार को अलीराजपुर, कट्ठीवाड़ा, उदयगढ़, भाबरा, जोबट, आम्बुआ, सोण्डवा व सभी जगह थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया।

हिंदू युवा जनजाति संगठन अलीराजपुर प्रदेशाध्यक्ष दिलीप चौहान ने एसपी मनोज सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, अलीराजपुर में लव जिहाद के मामलों को उजागर कर पर तत्काल कार्रवाई की जाए। हिंदू युवा जनजाति संगठन मध्य भारत मांग करता है कि दोषीयो का फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाया जाए और उन्हें फांसी दी जाए।

ज्ञापन देते समय प्रदेश अध्यक्ष दिलीप चौहान, प्रदेश महामंत्री प्रदीप तोमर, प्रदेष प्रवक्ता सुरेश मण्डलोई, जिला संगठन मंत्री प्रकाश जमरा, जिला अध्यक्ष रोशन पचाया, जिला उपाध्यक्ष अनूप डावर, समरथ पचाया, जिला महामंत्री मुकेश अजनार, हरसिंह कलेश सुरेश डावर, जिला प्रवक्ता सुरेश सस्तिया, जिला मंत्री रणजीत बघेल, उमेश भूरिया, कट्ठीवाड़ा मंडल अध्यक्ष वेरसिंह चौहान, कमलेश, गोविन्द, अट्टू, राहूल, आम्बुआ मंडल अध्यक्ष लालू मुझाल्दा, नानपुर मडंल उपाध्यक्ष राकेश कनेश, सुरपाल चैगड़, आजादनगर मडंल अध्यक्ष विकास गाणवा, सोरवा मडंल महामंत्री कालू किराड़, मडल कोषाध्यक्ष मुकेश ओहरिया, डुगंरसिंह निगवाल, जयराज ठाकुर, नानसिंह तोमर, चन्दरसिह मुवेल, राजेश चौहान, थानसिह चौहान, संतोष कनेश, कमलेश चौहान आदि कार्यकर्ता उपस्थित थें। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी हेमन्त तोमर ने दी।

अवैध शराब के साथ तो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

बरझर पुलिस ने एक क्रेटा कार क्रमाक जीजे 01 आरयू 4046 में से शराब की 40 पेटी बरामद कर दो आरोपी गिरफ्तार किया।

आज़ाद नगर भाबरा थाने क्षेत्र की पुलिस चौकी बरझर में गाड़ी में 40 पेटी अवैध शराब जप्त की है जो एक सप्ताह में ये दुसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले भी संजय मावी तम्बोलिया बरझर से 20 शराब की पेटी सहित बरझर पुलिस एक आरोपी गिरफ्तार कर चुकी है। रविवार दोपहर को बरझर पुलिस ने बड़ी सफलता प्राप्त कर एक वाहन में से 40 अवैध शराब की जप्त की। साथ ही दो आरोपी राजू पिता हिरालाल बामनिया निवासी रिगोल व विशाल पिता मगन चौहान दरबार निवासी अहमदाबाद को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया है। उक्त कार्रवाई में चौकी प्रभारी अखिलेश मण्डलोई, जयकिशन शर्मा व आरक्षक दिनेश मुवेल का सराहनीय योगदान रहा।

दो दिवसीय उर्स का हुआ समापन

माही की गूंज, जोबट।

जोबट में दो दिवसीय हजरत चिश्ती मेहमुदुल हसन बादशाह मियां का 39 वां उर्स आज कुल की फातेहा, महफ़िले रंग के बाद समपन्न हुआ। महफ़िले रंग में जोबट के मशहुर कव्वाल तोसीफ रंगरेज व सज्जाउद्दीन ने 'खुशबू बता रही हैं ये जन्नत के फूल हैं, चेहरा बता रहा है ये आले रसूल हैं' कलाम पेश किए। इसके अलावा 'जैसे फलक पर चांद सितारों में एक है, ऐसे हमारा पीर एक है, मिला है पीर ऐसा मिला है', 'आज बरस रहा है रंग ही रंग है, आओ चिश्तीयों खेले होली आज दादा मिया के घर है होली' जैसे कलाम पेश किए गए। उर्स में बड़वानी, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, छोटा उदयपुर सहित जबलपुर से जाहरीनो ने शिरकत कर मेहमुदुल हसन के दरबार में फुल चादर पेश कर अमन चौन की दुआ मांगी।

तेंदुए ने किया बकरी का शिकार

माही की गूंज, बरझर।

– यहां बंधी थी बकरी।

महेंद्रा पंचायत के जुना गांव फलिया मे सोमवार देर शाम तेंदुए ने एक बकरी का शिकार कर लिया। किसान बिजिया पिता सेवा ने अपनी दो बकरीयो को खेत की मेड़ पर चरने के लिए बंध रखी थी। देर शाम करीब साढ़े 6 बजे के आस-पास तेंदुआ बिजिया की बड़ी बकरी को पकड़ ले गया ल। बिजिया जब बकरीयो को लेने गया तब पता चला एक बकरी नहीं है। तेंदूए के पग चिन्ह द्वारा बकरी को पकड़ कर पास ही खेत में ले जाने के निशान मिले तब पता चला बकरी को तेंदुआ ले गया है। देर? शाम होने के चलते वन विभाग को सुचना नहीं दे पाया है। इन दिनों समीप कदवाल जंगल होने से तेंदुए, बकरी व कुत्ते आदि का शिकार कर रहे हैं। बकरी मालिक ने बकरी के मुआवजे को लेकर वन विभाग से गुहार लगाई है।

जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने लिया एक्शन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया ने नेशनल कमनीनेशन फॉर प्रोटेक्न ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) प्रोजेक्ट के तहत स्कूल में सर्वे करने के लिए सर्टिफिकेशन बॉडी सीबी आईआर क्लास को लगाया था। आईआर क्लास को निविदा प्रक्रिया के माध्यम से लगाया गया था और यह एनएनबीसीबी का एक मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकाय है। 15 सितंबर 2022 को जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी अलीराजपुर द्वारा क्यूसीआई को टेलीफोन पर सूचित किया गया था कि दीपक कुमार, रामकुमार, विवेक और मनोहर सीबी आईआर क्लास के प्रतिनिधि रूपए की मांग करते हुए पकडे गए थे। जिसे उनके द्वारा स्वीकारा भी गया है। उक्त संबंध में तत्काल क्यूसीआर के हैड ऑफिस को सूचना दी गई। जिसके बाद क्यूसीआर के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर सीबी को तदनुसार सूचित किया गया और कार्य को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिए गए। क्यूसीआर ने सीबी आईआर क्लास के खिलाफ कारण बताओ सूचना पत्र की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। तत्काल क्यूसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को मामले की जांच के लिए अलीराजपुर का दौरा करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। तदनुसार सीबी को 4 मूल्यांकनकर्ताओं के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करने के लिए कहा गया है। क्यूसीआई टीम ने के प्रतिनिधियों को कलेक्टर अलीराजपुर राघवेन्द्र सिंह ने तलब करते हुए कडी कार्रवाई के निर्देश देते हुए भविष्य में इस प्रकार की गतिविधि न हो इसके लिए आवशयक निर्देश दिए गए।

गुलशने मदीना कमेटी का पुन: गठन, 53 सदस्य नए हुए कमेटी में शामिल

शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए जागरूक करने पर हुई चर्चा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

गुलशने मदीना कमेटी का पुनः गठन करते हुए 53 नए सदस्य कमेटी में शामिल हुए। कमेटी की बैठक जबरन कालोनी में हुई। वहा नए सदस्यों का फूल माला से स्वागत किया गया। बैठक में समाज के लिए हम सबको एकजुट होकर काम करना है, मदरसों की शिक्षा में तालमेल बैठाकर एक नई पहल करनी चाहिए और भी विभिन्न विषय पर चर्चा इस बैठक में की गई। सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही कमेटी का पुनः गठन होने पर सदर की नियुक्ति नही कि गई। कमेटी के सभी सदस्य अपनी अपनी जिम्मेदारी से काम करेंगे।

गुलशने मदीना कमेटी ने किए कई कार्य

कमेटी में देखा जाये तो सामाजिक, धार्मिक कार्य जेसे कई वर्षों से मस्जिद के हर छोटे-बड़े काम को अंजाम दिया है। जो विगत कुछ वर्षों से (मंसुरी चोक) पर बिना भेद भाव किये बड़े से बड़ा काम करती आ रही है। समाज मे हर त्योहार पर कमेटी के सदस्य कंधे से कंधा मिला कर काम कर रहे है। साथ ही गरीब वर्ग लोगो की चिकित्सक संबंधित हर सहायता करती आ रही हैं। जरूरतमंद लोगों की सहायता करती है। हर त्योहार पर न्याज, लंगर, शबिल, मोहल्ले के डेकोरेशन तक कमेटी के द्वारा किया जाता हैं। जिसमें कमेटी के दूर दूर तक चर्चे होते है। साथ ही लॉक डाउन जैसी स्थिति में कमेटी ने गरीबों के लिए राशन की व्यवस्था कर वितरित किया गया। बैठक में कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहे कमेटी के सभी हजरात ने मिलजुल कर इस्तकबाल किया और नए सदस्य को मुबारकबाद दी।

वोटर आईडी कार्ड को आधार से लिंक करने हेतु कार्यशाला हुई आयोजित

माही की गूंज, च.शे.आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय च.शे.आजाद नगर (भाबरा) में वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के मतदाता जागरूकता अभियान के एंबेसडर गेंदल हटीला द्वारा महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियो को वोटर आईडी को आधार कार्ड से लिंक करने और नए मतदाताओं को नामावली में पंजीयन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविधालय के प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे द्वारा की गई। संचालन कार्यक्रम प्रभारी प्रो. दिलीप गरवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ एवं विधार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रो. विजय कुमार अलावे ने व्यक्त किया।

महाविद्यालय में युवा सेल का हुआ गठन

युवाओं के मध्य आदर्श वातावरण निर्माण के लिए अनोखी पहल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्यमंत्री द्वारा युवा पंचायत में की गई घोषणा के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय सोंडवा जिला अलीराजपुर में प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र तिवारी के मार्गदर्शन में युवा सेल का गठन किया गया। युवाओं के मध्य सकारात्मक एवं आदर्श वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से युवा सेल के लिए भूपेंद्र तिवारी प्राचार्य को संरक्षक, प्रो. राजेश बारिया सहायक प्राध्यापक को अध्यक्ष, मुकेश अजनार एनएसएस अधिकारी को सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। साथ ही सदस्य के रूप में खुमान सिंह सांसद प्रतिनिधि, अनिल विधायक प्रतिनिधि, सुरतान डोडवा अभिभावक, श्रीमती सुनीता सस्तिया अभिभावक, भुवान बारिया एवं अनिल सोलंकी भूतपूर्व छात्र, कु. मनीषा बघेल एवं संजय चौहान प्रवीण विद्यार्थी, कु. रंजिला जमरा एनएसएस विद्यार्थी, कु. काजल सोलंकी सांस्कृतिक गतिविधि विद्यार्थी तथा बाकसिंह खरत खेलकूद गतिविधि विद्यार्थी के रुप नियुक्त किया गया। यह युवा सेल महाविद्यालय स्तर पर होने वाली गतिविधियों की निरंतर समीक्षा करेंगी तथा उत्कृष्ट संचालन हेतु समिति को सुझाव प्रस्तुत करेगी। ताकि महाविद्यालय में युवाओं के मध्य आदर्श वातावरण निर्मित हो सके।

नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, कृष्ण जन्मोत्सव में झूम उठे श्रोता

माही की गूंज, आम्बुआ।

स्थानीय बस स्टैंड के समीप चौहान परिवार द्वारा सांवरिया धाम में अपने पितरों के उद्धार हेतु श्राद्ध पक्ष में श्रीमद् भागवत पुराण की कथा उन्हेल से पधारे पंडित श्री शिव गुरु शर्मा द्वारा श्रवण कराई जा रही है। बुधवार को कथा के चतुर्थ दिवस पर भागवत कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया तथा माखन मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया।

भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पंडित श्री शर्मा जी ने बताया कि, भगवान की भक्ति किसी कामना या लालच में नहीं करना चाहिए भक्ति का अर्थ है कि कुछ मिले या ना मिले फिर भी करते रहो जहां मांग होती है वहां प्रेम नहीं होता है। हम जब भगवान से कुछ नहीं मांगते हैं तब भगवान स्वतः बहुत कुछ दे दे देता है। संसार को शरीर से मतलब होता है जबकि भगवान को मन चाहिए भगवान के सामने झूठी प्रतिष्ठा ना दिखाओ। जो कोई तुम्हारी तारीफ करें तो समझो वह तुम्हें पतन की ओर ले जाना चाहता है इसलिए तारीफ से दूर रहो।

सुखदेव महाराज ने कहा कि, सुख में सब साथ देते हैं दुख में कोई साथ नहीं देता। परिवार नाते रिश्तेदार सब दूर भागते हैं जैसा कि एक हाथी जिसे परिवार पर घमंड था। जब उसका पाव मगर ने पकड़ा और उसने सब से मदद मांगी पर कोई बचाने नहीं आया। तब उसने तालाब में कमल का फूल तोड़ भगवान को अर्पित कर आवाज लगाई तो भगवान विष्णु जी सुदर्शन लेकर दौड़े तथा मगर का शीश काटकर उसका उद्धार किया और अपने भक्त गजराज के प्राण बचाए। भगवान भक्तों के अवगुण नहीं देखता है वह भाव का भूखा होता है। इस कारण उसने शबरी के झूठे बेर खाए तो विदुर के घर केले के छिलकों को खा लिया।

कथा में दुर्वासा ऋषि द्वारा इंद्र को माला देना इंद्र द्वारा वह माला हाथी के गले में डालने, हाथी द्वारा माला जमीन पांव से कुचलने से दुर्वासा ऋषि द्वारा इंद्र को श्री हीन होने पर श्राप देने की कथा सुनाई। जिसके बाद समुद्र मंथन की मंथन से हलाहल विष निकलना तथा वह गरल विष शिवजी द्वारा पान करना तथा उनके नीलकंठ कहलाने की कथा के बाद भगवान शंकर द्वारा स्वर्ण नगरी का निर्माण तथा रावण जो कि ब्राह्मण होकर पूजा पाठ कराने आया था को स्वर्ण नगरी (लंका) ब्राह्मण दक्षिणा में देने की कथा सुनाई। जिसके बाद समुद्र मंथन में निकले अमृत को विष्णु भगवान ने मोहनी रूप धारण कर देवताओं में बांटने तथा राहु का सिर अलग करने की कथा सुनाई।

आगे पंडित श्री शर्मा जी ने वामन भगवान की कथा तथा भगवान विष्णु को द्वारपाल बनाने एवं श्री लक्ष्मी जी द्वारा राजा बलि को भाई बनाने की कथा सुनाई इसके बाद राजा परीक्षित द्वारा सुखदेव महाराज से भगवान कृष्ण की कथा सुनाने का आग्रह किया गया। भगवान कृष्ण के जन्म से पूर्व भगवान श्री राम के जन्म की कथा के बाद कृष्ण भगवान का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया। भजनों पर श्रोता जन झूमे तथा माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया गया।

नगरीय निकाय चुनावों में देखने को मिल रही राजनीतिक उठा पटक

निर्दलीय और बागी बिगाड़ेंगे किसका चुनावी मिजाज...?

माही की गूंज झाबुआ, मुज्जमील मंसूरी।

नगरीय निकाय चुनावी रण को लेकर उम्मीद्वारों की स्थितियां स्पष्ट हो चुकी है, लेकिन जैसे -जैसे मतदान की तारीखें करीब आती जा रही है वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मियां तेज होती दिखाई दे रही है। 27 सिम्बर को मतदान होना है और 30 सितम्बर को परिणामों की घोषणा हो जाएगी। मगर उसके पहले शेष बचे पांच दिनों में राजनीतिक उथल-पुथल क्या गुल खिलाएगी यह देखने योग्य होगा। चुनावी कार्यक्रम जारी होने के बाद से अब तक कई उथल-पुथल देखने को भी मिली है। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। अपनी-अपनी जीत के दावे भी अभी से किए जा रहे है, लेकिन इन सब के बीच निर्दलीय और बागी अपनी अलग ही ताल ठोकते नजर आ रहे है। जिले की चारों नगरीय निकायों में स्थिति एक सी है, लेकिन पेटलावद और थांदला नगरी निकाय में कुछ अजब ही हालात बने हुए है। राजनीतिक रस्साकसी यहां कुछ ज्यादा ही दिखाई दे रही है। पेटलावद में सीएम शिवराजसिंह चौहान खुद आमसभा कर चुके है। इससे पहले जिले की चारों नगरीय निकायों में भाजपा कुछ ज्यादा ही सुर्खियों में दिखाई पड़ रही है। सारे हंगामें और उठापटक भाजपा के खेमे में ही नजर आ रही है। इन्ही उठापटक व भाजपा के अंतर कलह से पहुंच रहे नुकसान की पूर्ति करने पेटलावद आमसभा में मुख्यमंत्री चौहान ने पुलिस अधीक्षक की बली ले ली तो दूसरे दिन कलेक्टर को निपटाते हुए भाजपा की छवि सुधारने के लिए राजनीतिक स्टंट खेल दिया। शिवराज का यह स्टंट कितना कामयाब होगा यह तो 30 सितम्बर को ही पता चल पाएगा, लेकिन जिले में अब भी भारतीय जनता पार्टी में चल रहा घमासान रूकने का नाम नहीं ले रहा है।

जिले की तीन नगर परिषद और एक नगरपालिका के लिए 27 सितम्बर को मतदान होना है। लेकिन जिला मुख्यालय की नगरपालिका दोनों ही राजनीतिक दलों के लिए नाक का सवाल बनती दिखाई दे रही है। भाजपा-कांग्रेस दोनों ही दलों के उम्मीद्वारों की सूची जारी होने के बाद यहां स्थिति रोचक होती नजर आ रही है। जिला मुख्यालय की नगरपालिका में 18 वार्ड है। इन 18 वार्डों में भाजपा-कांग्रेस के उम्मीद्वारों के अलावा निर्दलीय और बागी उम्मीद्वारों की संख्या भी खासी नजर आ रही है। इन निर्दलीय और बागीयों में कई उम्मीद्वार ऐसे है जो उलट फैर का दम रखते है। यही वह कारण है जो झाबुआ नगरपालिका में बड़ी उथल-पुथल का ईशारा कर रहे है।

वार्ड क्रमांक 1 से 18 तक लगभग सभी वार्डों में निर्दलीय या बागी मैदान में है। बागियों में वे उम्मीद्वार है जो पूर्व परिषद में पार्षद रह चुके लेकिन इस बार पार्टी ने उनका टिकट काट दिया। अब वे खुद के दम पर निर्दलीय उम्मीद्वार के रूप में मैदान में है। कई पूर्व पार्षद भी निर्दलीय के रूप में मैदान में है। एक और पहलू यह भी है कि, आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीद्वारों को कई वार्डों में उतारा है। हालांकि आम आदमी पार्टी का यह पहला मौका है जब वह नगरपालिका या परिषद के चुनावों में अपने उम्मीद्वार उतार रही है। इसलिए यह भी माना जा रहा है कि, आप के यह उम्मीद्वार इतने प्रभावी नहीं है कि, उलट फैर कर सके। मगर यह तय है कि, आम आदमी पार्टी के उम्मीद्वार वोट काट कर दोनों ही दलों को नुकसान ही पहुंचाएंगे। हालांकि इनकी संख्या बहुत कम है।

कई वार्डों में कांग्रेस-भाजपा और निर्दलीय, बागी तथा आम आदमी पार्टी को मिलाकर आधा दर्जन से अधिक उम्मीद्वार मैदान में है। जिन वार्डों में उम्मीद्वारों की संख्या कम है वहां भी यह आंकड़ा 3 या 4 का है। मतलब सीधे तौर पर यहां 18 वार्डों में सीधे मुकाबले दिखाई नहीं पड़ रहे है। यही कारण है कि, यह नगरपालिका दोनों मुख्य दलों कांग्रेस और भाजपा के लिए नाक सवाल बनता नजर आ रहा है। हालांकि दोनों ही दलों ने नाम निर्देशन पत्र वापसी की तारीख को कई लोगों को अपने समर्थन में फार्म वापस खींचने के लिए मना लिया था। मगर अब भी बहुत बड़ी संख्या में बागी और निर्दलीय मैदान में है। कुल मिलाकर मिले-जुले समीकरण ही सामने आते दिखाई पड़ रहे है। कहीं किसी वार्ड में कांग्रेस मजबूत दिखाई पड़ रही है तो कहीं किसी वार्ड में भाजपा अपने उम्मीद्वार की विजय का ताल ठोक रही है। हालांकि परिणाम अभी समय के गर्त में है। 30 तारीख को ही पता चल पाएगा कि, राजनीतिक पार्टियों के यह दावे कितने मजबूत है।

कांग्रेस की पिछली नगरपालिका परिषद का कार्यकाल कुछ ठीक नहीं रहा है। पिछले पांच वर्षों में नगरपालिका लगातार अपने घपले-घोटालों के लिए समाचारपत्रों व मीडिया की सुर्खियों में रही है। जिनता खर्च नगरपालिका ने इन पिछले पांच सालों में किया है वह जमीनी स्तर पर कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। यही कांग्रेस का सबसे बड़ा माइनस पाईंट है जो कांग्रेस को इस बार बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा पिछली परिषद में नगर की जनता पार्षदों की चंडाल चौकड़ी से खासी परेशान रही है। हालांकि इनमें से तीन की तीकड़ी में कांग्रेस पार्टी के पार्षद ही रहे है। जिनमें से पार्टी ने दो को रिपिट किया और एक का टिकट काट दिया गया। वह अब निर्दलीय मैदान में है। इसके अलावा चंडाल चौकड़ी में एक पार्षद निर्दलीय था जो अब वार्ड बदलकर निर्दलीय उम्मीद्वार के रूप में अब भी चुनावी रण में ताल ठोक रहा है।

नगरीय निकाय चुनावी चकल्लस में कांग्रेस लगतार भाजपा पर आरोप लगा रही है, तो भाजपा अपनी अंतर कहल से निपटने में ही व्यस्त दिखाई पड़ रही है। भाजपा की अंतर कलह का ही फायदा कांग्रेस उठाती नजर आ रही है। झाबुआ विधानसभा के कांग्रेसी विधायक व उनके पुत्र युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने प्रेस कांफेंस के माध्यम से भाजपा व प्रदेश सरकार पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे है। भाजपा में चल रहे लगातार घमासान की सूची अब लंबी होती दिखाई पड़ रही है। चुनावी माहौल में शहर के बीचो-बीच भाजपाईयों का हुड़दंग हो या नाम वापसी के विवाद में हो जारी हो रहे वक्तव्य की विडीयों। सारी उठा-पटक भाजपा खैमें में ही नजर आ रही है। कांग्रेस में भी लगभग यही हालात दिखाई पड़ रहे है लेकिन कांग्रेस का कोई विवाद अब तक सड़कों पर नहीं पहुंचा है। असंतुष्टों के खरीद-फरोख्त को लेकर यहां भी वीडियों वायरल हुए है। कुल मिलाकर झाबुआ नगर पालिका के लिए राजनीतिक सरगर्मियां और उठापटक तेज होती जा रही है। इस तरह के विरोधाभाष और अंतर कहल इन दोनों ही दलों को कितना नुकसान पहुंचाएगी यह तो कहा नहीं जा सकता लेकिन ऊंट किस करवट बैठेगा यह देखना बहुत ही रोचक होगा।

किसका पलड़ा होगा भारीए मतदाताओ को रुझाने में लगे पार्षद प्रत्याशी

माही की गूंजए थांदला। मुकेश भट्ट

नगर निकाय चुनाव को लेकर दोनों पार्टियों का माहौल अब गरमाने लगा है। चुनाव प्रचार धीरे.धीरे जौर पकड रहा हे। गली मुहल्ले में वोट मांगने वाले प्रत्याशी सुबह से वोटरों के घरों का चक्कर काटने लगे हैं। कई वार्डो में उम्मीदवार के समर्थन में नेता मैदान में आकर चुनावी माहौल बना रहे है और कई वार्ड के प्रत्याशी बड़े नेता के आने का इंतेजार कर रहे हैं। प्रत्याशी वोटरों से अपने पक्ष में वोट देने की अपील करते नजर आ रहे हैं। यहां कुछ ऐसे भी प्रत्याशी हैं जो इंतजार में हैं कि कोई बड़ा नेता आकर कहे कि बागी प्रत्याशी समर्थन में बैठ जाए। सांसद ने कुछ वार्डों का भ्रमण किया लेकिन कोई भी बागी प्रत्याशी ने उनकी बातें नहीं सुनी और उन्हें भी खाली हाथ जाना पड़ा। कई प्रत्याशी केवल अपने विरोधियों को सबक सिखाने के लिए मैदान में डटे हुए हैं। सभी प्रत्याशियों के चुनावी होर्डिंग्स गली मोहल्ले एवं चौराहों चमक रहे हैं। अधिकतर प्रत्याशियों के चुनावी कार्यालय भी खुल चुके हैंए प्रत्याशियों को अपने सगे संबंधियों तथा दोस्तों का सहारा लेकर आपसी रिश्तों को बता कर वोटरों को अपने पक्ष में करनै का जी तोड मेहनत कर रहे हैंए वह जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इधर वोटर तय नहीं कर पा रहे हैं कि किसे वोट दें या किसे नहीं। वोटरों के लिए अभी ठोस फैसला करना मुश्किल हो रहा है। अभी तक कोई जाति तो कोई रिश्तेदारी के नाम पर वोट मांग रहा है तो कोई पैसे से वोट खरीदनै का सिलसिला अभी 24.25 तारीख से शुरू होगा। उम्मीदवारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में वोटिंग के लिए वादे विकास की बात कर विश्वास दिलाया जा रहा है कि हम विजय हुए तो अपने वार्ड में विकास कर नलए बिजलीए नाली सड़क की समस्याओं को खत्म कर देंगे। चुनावी मैदान में इस बार कांग्रेस और भारती जानता पार्टी के साथ आप भी मैदान में हैं तो कई वार्डों में निर्दली प्रत्याशी सीधे राजनितिक पार्टी को काटे की टक्कर दे रहे हैंए तो कई नेताओ को जनता के मुंह से खरी खोटी सुनने को मिल रही हैं।

थांदला नगर का रोचक मुकाबला अध्यक्ष बनने वाले वार्ड 1ए 3 और 15 मे है। मतदाता असमंजस में है की किसे जिताना चाहिए। अबकी बार भी पंचायत चुनाव के परिणाम की भांति ही परिणाम देखने को मिलेगाए क्योंकि मतदाता जागरूक हो चुका है और चुप्पी साधे रखा है। अब 27 सितम्बर के बाद ही पता चलेगा की मतदान किसके पक्ष में होगा।

पशुओं में तेजी से फेल रहा लंपी वायरस

माही की गूंज, थांदला।

राजस्थान.गुजरात के रास्ते जिले के पशुओं में फैला लंपी वायरस अब तेजी से फैलता जा रहा हे। ज्ञातव्य हे की जिला पंचायत अध्यक्ष ने कुछ दिन पूर्व ही पशु चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिख कर जिले के पशुओं में फेल रहे लंपी वायरस के रोकथाम हेतु टीकाकरण अभियान तेजी से चलने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने भी राजस्थानए गुजरात से सटे गांवों में लगने वाले हाट बाजारों और पशु बाजारों को प्रतिबंधित कर दिया था बावजूद उसके जिले में राजस्थानए गुजरात से पशुओं का आवागमन जारी रहने की वजह से जिले के पशुओं में अब लंपी वायरस तेजी से पैर पसार रहा है। थांदला के ग्राम बड़ी धामनी लग भाग 70 से 75 पशुओं में उक्त वायरस फेला हुआ हे। इनके संपर्क में आने वाले अन्य मवेशी भी संक्रमित होने लगे तो अब पशु पालकों ने संक्रमित पशुओं को घर से दूर गांव के बाहर बांधना शुरू कर दिया। बड़ी धामनी के रेहान बिलवाल का यह बैल लंपी वायरस से पीड़ित ही उसने उपचार तो करवाया परंतु अन्य मवेशी के बचाव हेतु उसे घर से दूर बांध रखा है।

इस संबंध में ग्रामपंचायत सरपंच रीना दीपक बिलावल ने बताया किए यह सही है की मवेशियों में वायरस फेल रहा है। इनका उपचार नियमित पशु चिकित्सा विभाग से करवाया जा रहा है। पशुओं के सुरक्षा के सभी उपाय ग्राम पंचायत द्वारा किए जा रहे है।

मुमुक्षु भाईयों कि जयकार यात्रा के साथ किया बहुमान

माही की गूंज, रायपुरिया।

तीन दिवसीय अणु स्मृति दिवस पर मुमुक्षु भाई अचल श्री श्रीमाल एवं प्रांशुक काठेड का रायपुरिया श्री सकल संघ द्वारा जयकार यात्रा के साथ अभिन्नदन किया गया। इस अवसर पर श्री संघ के वरिष्ठ अनिल मुथा, विजय जैन, प्रकाश कोटडिया, संदीप भंडारी, संजय मुथा, विमल मुथा, मुकेश मुथा, आशीष भंडारी, गौरव भंडारी, विकास भंडारी, गौरव मालवी सहित महिला मंडल एवं समाजजन ने सर्वप्रथम दीक्षार्थी अचल जी श्री श्रीमाल एवं प्रांशुक जी कांठेड़ के वीर माता-पिता एवं परिजन का बहुमान किया। तत्पश्चात दोनों दीक्षार्थी भाई का का बहुमान किया गया। दोनों दीक्षार्थी भाई ने अपने उद्बोधन में जिन शासन की महत्ता बताते हुए अपने वैराग्य भाव कैसे जागृत हुए अपने उद्बोधन में बताया। तत्पश्चात दोनों द्वारा मांगलिक श्रवण कराई गई। कार्यक्रम का संचालन संजय मुथाने किया एवं आभार अनिल मुथा ने माना।

सकल जैन समाज ने किया बहूमान

माही की गूंज, करवड़।

अणु बगिया महक रही है, दो और फूल खिलने जा रहे हैं। जिन शासन गौरव अध्यात्मयोगी श्रमण श्रेष्ठ आचार्य भगवंत पूज्य गुरुदेव श्री उमेश मुनीजी मसा की असीम कृपा एवम सुशिष्य आगम विषारद बुद्ध पुत्र प्रवर्तक देव पूज्य श्री जिनेन्द्र मुनिजी म सा के मुखारबीन से होने वाली दो प्रमुख दीक्षाए मुमुक्षु श्री प्रांशुल जी कांठेड़ व मुमुक्षु श्री अचल श्रीमाल की होने जा रही है। जिसके एवं वीर माता-पिता के बहुमान का सौभाग्य करवड़ श्री संघ को सहज प्राप्त हो रहा हैं। जिसकी अनुमोदना एवं बहुमान का लाभ प्राप्त हुआ। जिसमे लखन भंडारी और चिराग भंडारी ने जम्मीकंद के त्याग, ललित जैन ने चौविहार के पक्षकांड लिए। मुख्य अतिथि मयंक भंडारी, नीरज जैन पेटलावद वाले आदि तेरापंथ सभा अध्यक्ष अमृत लाल मंडोर अरुण श्रीमाल, प्रकाश बंबोरी, तरुण आदि उपस्थित रहे।

ओद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में आयोजित हुआ दीक्षांत समारोह

माही की गूंज, बामनिया।

ओधोगिक प्रशिक्षण संस्था में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि सरपंच रामकन्या मखोड़, उप सरपंच बृजभूषण सिंह परिहार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के फोटो पर माल्यार्पण कर मुख्य अतिथियो ने किया। उपसरपंच परिहार ने बच्चो को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उध्बोधन में बताया, बच्चो को की मोदी ने स्किल डेवलमेंट स्कीम में कई युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है। इस योजना के तहत प्रत्येक युवा स्किल डेवलपमेंट तहत खुद अपने आप उद्यमी बन सके। देश में पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है जिन्होंने इस विभाग का कोलोब्रेशन रेल, रक्षा, उद्योग विभाग से किया। जिससे प्रत्येक युवा जो कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने बाद उन्हें आसानी से रोजगार प्राप्त हो सके। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्चयुल सभी आईटीआई के छात्रों को संभोधित किया। संस्था के अध्यापक जोशी आदि स्टाफ ने आभार माना।

26 जिलों में फैला लंपी वायरस, सीएम ने ली बैठक

चिता इवेंट से बाहर निकले सरकार- कमलनाथ

भोपाल।

मध्य प्रदेश में लंपी वायरस के बढ़ते मामलों के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि, लंपी वायरस से बचाव के उपायों की जानकारी पशुपालकों को ग्राम सभा में बुलाए जाए और उनको जरूरी निर्देश दिए जाए। साथ ही प्रदेश की सभी गौ शालाओ में टीकाकरण के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि, मध्य प्रदेश में पशुओं को लंपी वायरस से बचाने के लिए पशुओं को मुफ्त टीका लगाया जाएगा।

सरकारी आकड़ो के अनुसार प्रदेश के आधे जिलों में लंपी वायरस से संक्रमित पशुओं के मामले सामने आए है। प्रदेश में 26 जिलों में 7 हजार 686 पशु लंपी वायरस से संक्रमित पाए गए है और अब 100 से अधिक पशुओं की मौत हो चुकी है। प्रदेश के इंदौर, रतलाम, उज्जैन, मंदसौर, नीमच, बैतूल, धार, बुरहानपुर, झाबुआ और खण्डवा में लंपी वायरस चपेट में बड़ी संख्या में मवेशी आए है।

बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, पड़ोसी राज्यों में जिस तरह गाय और बाकी पशुओं की मृत्यु हुई वह दृश्य हमने देखे हैं और किसी भी कीमत पर हमें उस स्थिति को पैदा नहीं होने देना है। यह एक तरीके से पशुओं में कोविड जैसा ही है कई चीजों से यह फैलता है मक्खी से, मच्छरों से, आपस में मिलने से, साथ रहने से, यह फैलने वाली संक्रामक बीमारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, लंपी वायरस का मामला बहुत गंभीर है और इसे बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। जैसे हम कोविड के खिलाफ लड़े थे वैसे ही पशुओं का जीवन बचाने के लिए हम इस लंपी वायरस से लड़ेंगे।

कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर कसा तंज

राज्य में लंपी वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार को आड़े हाथो लिया है। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में लाए गए चीतों को पार्क में छोड़ने को इवेंट बताते हुए कमलनाथ ने कहा कि, सरकार को अब गायों की भी सुध लेनी चाहिए। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार पर लंपी वायरस को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि सरकार अगर 'चीता इवेंट' से बाहर निकल आई हो तो अब गौमाता की भी सुध लें।

कमलनाथ ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि, मध्यप्रदेश में लंपी वायरस का प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में गौमाता बड़ी संख्या में इस वायरस से संक्रमित होती जा रही हैं, बड़ी संख्या में उनकी मौत भी हो रही है। जिसको लेकर सरकार के प्रति कमलनाथ ने नाराजगी जाहिर करते हुए ट्वीट किया।

एमडीएच स्कूल में पूरे सत्र बच्चों को नही मिल रहे कॉमर्स के शिक्षक, बच्चो की शिक्षा हो रही प्रभावित

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

नाम बड़े और दर्शन खोटे, सेवा के नाम पर शिक्षा के क्षेत्र में उतरी एमडीएच स्कूल कही के कही अपना मुख्य भाव छोड़ चुकी है। आये दिन स्कूल से जुड़े विवाद सामने आते है। सेवा के नाम पर मनमानी फीस वसूलने वाली संस्था में शिक्षको की कमी के चलते बच्चों का भविष्य अधर में है। यहां स्कूल में कक्षा 11 वी और 12 वी में पढ़ने वाले कॉमर्स संकाय के स्कूली छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के लिए संस्था के पास शिक्षक नही है।

पेटलावद निवासी मनीष गांधी ने बताया कि, स्कूल में मेरे बच्चे पढ़ रहे है जहां कॉमर्स विषय की पढ़ाई कर रहे है। लेकिन सत्र की शुरुआत से स्कूल में कॉमर्स संकाय के शिक्षको की कमी है जिससे पढ़ाई नही हो पा रही है। संस्था द्वारा विगत 15 दिनों से बच्चों को कोमर्स के शिक्षक द्वारा पढ़ाया नही जा रहा। शिकायत के बाद प्राचार्य ने सोमवार को शिक्षको की व्यवस्था की बात कही थी लेकिन आज तक कोई व्यवस्था नही हुई है। वही दूसरी और स्कूल प्रशासन द्वारा फीस के लिए बार-बार दबाव बनाया जाता है। लेकिन शिक्षको की व्यवस्था के नाम पर संस्था द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाये जा रहे है।

कोमर्स विषय पढ़ रहे है बच्चों के परिजनों का कहना है कि, 11वी और 12वी के बच्चों के लिए ये समय आगे की शिक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है। ऐसे में समय पर शिक्षा नही मिलने के कारण बच्चों की तैयारियों पर फर्क पड़ सकता है। मामले संस्था के प्राचार्य प्रवीण आत्रे से इस सम्बध में जानकारी के लिए संपर्क किया लेकिन उन्होंने फोन अटेंड नही किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422